आज का विचार

प्यार इंसान से करो उसकी आदत से नहीं। रूठों उनकी बातों से मगर उनसे नहीं। भूलों उनकी गलतियों को पर उन्हें नहीं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

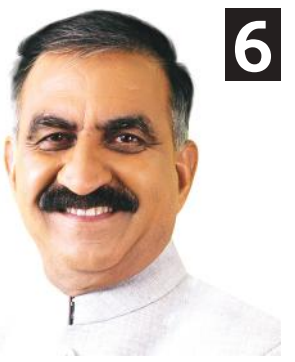

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। सोमवार, 12 फरवरी, 2024 | वर्ष 22, अंक 37, मूल्य: 3 रुपए | RNI Regn No: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

मोदी सरकार के श्वेत पत्र ने कांग्रेस के काले कारनामों की खोली पोल: अनुराग ठाकुर

दर्पण न्यूज सर्विस
शिमला/ नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर आज यानी 11 फरवरी को हिमाचल प्रवास पर थे। इस दौरान अनुराग ठाकुर ने सर्वप्रथम झंडुता विधानसभा के ग्राम पंचायत बालघाड़ के ठप्पर और ग्राम पंचायत बल्ह सीणा के बल्ह सीणा ग्राम में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके पश्चात अनुराग ठाकुर घुमारवीं विधानसभा पहुंचे जहां ग्राम पंचायत अमरपुर के अमरपुर गांव में उन्होंने गांव चलो अभियान में शिरकत की। इससे पूर्व प्रातः काल धर्मशाला एयरपोर्ट पर पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए अनुराग ठाकुर ने विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की।

हाल ही में मोदी सरकार द्वारा संसद में पेश किए गए श्वेत पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, श्वेत पत्र ने पूरी तरह से कांग्रेस की पोल खोल दी है। इससे पता चलता है कि कैसे कांग्रेस की प्राथमिकता हमेशा परिवार और भ्रष्टाचार रहा है। उनके लिए देश नहीं बल्कि खुद की जेब भरना प्राथमिकता थी। श्वेत पत्र ने पूरी तरह से साफ किया है कि कैसे कांग्रेस काल में देश की आर्थिक नीतियों को नुकसान पहुंचा। देश के बैंक घाटे में थे। 12 में से 11 बैंक पीसीए फ्रेमवर्क में थे। लोग पैसा लेकर भाग रहे थे और सरकार चुप बैठी थी। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि देश में एक के बाद एक घोटाला हो रहा था। सरकारी फाइलें कैबिनेट में जाने की बजाय में एनएसी में जा रही थी जिसके सदस्य ऐसे लोग थे जिनकी काबिलियत और पृष्ठभूमि पर प्रश्न चिन्ह थे। इससे यह पता लगता है कि कांग्रेस ने देश को पीछे धकेलना का काम किया। उनकी नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को नाजुक स्थिति में डाल दिया।

अनुराग ठाकुर ने बताया कि देश हित में भारतीय जनता पार्टी पिछले 10 वर्षों तक चुप रही। हम चाहते तो पहले दिन भी श्वेत पत्र ला सकते थे परंतु देश का नुकसान ना हो और मनोबल ना गिरे इसीलिए हमने ऐसा नहीं किया। हमारे लिए पहली प्राथमिकता देश का विकास है। नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने 10 वर्षों में देश को एक साफ सुथरी और ईमानदार सरकार दी है। स्पष्ट नीतियों के कारण आज सारे बैंक प्रॉफिट में हैं। देश अब लड़खड़ाती चरमराती अर्थव्यवस्था से विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। श्वेतपत्र ने आज देश के लोगों को यह बताया है कि मोदी जी ने किन परिस्थितियों से निकालकर देश को आगे बढ़ाया है। अनुराग ठाकुर ने कहा आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज खेल के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रहा है, और उन्हीं की प्रेरणा से झंडूता विधानसभा क्षेत्र में मंडल स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता की शुरूवात हुई है। महिला मोर्चा की बहनें और स्वयं सहायता समूह की बहनों ने इसमें भाग लिया। यह खेलो इंडिया, फिट इंडिया को बढ़ावा देने के लिए और जागरूकता फैलाने की दिशा में उपयोगी है। स्वस्थ रहने के लिए खेलों में भाग लें और साथ ही साथ यह मनोरंजन का भी सशक्त माध्यम है। अपनी संस्कृति परंपराओं के साथ-साथ खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए यह बहुत अच्छी शुरूआत है। मेरा विश्वास है कि ऐसे कार्यक्रमों को पूरे प्रदेश भर में और देश भर में चलना चाहिए इससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। ठाकुर ने कहा मेरा युवाओं से आह्वाह्व है कि खेलों में भाग लीजिए स्वस्थ रहिए। हमारे युवा जो नशे से ग्रस्त हो रहे हैं इसका सबसे बड़ा कारण है कि वह खेलों में भाग नहीं ले रहे हैं। लेकिन जब वह देखेंगे कि उनकी मां, उनकी बहन, उनकी भाभी वह अपने आप को स्वस्थ रखने के लिए दौड़ में भाग ले रही है, काम भी कर रही है तो आप मेरे युवाओं को भी प्रेरणा देंगे वह भी नशों से दूर रहेंगे और खेलों में भाग लेंगे। यह जिम्मेदारी भी मेरे नारी शक्ति ने उठाई है इससे बड़ी सौगात हमारे लिए क्या होगी। खेलों को आगे बढ़ाने के लिए मोदी सरकार ने खेलों का बजट 850 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 3000 करोड़ से ज्यादा का कर दिया और सबसे बड़ा लाभ उसमें मिला तो भारत की बेटियों को मिला। आज जितने मेडल पुरुष जीतते हैं उतनी ही बेटियां मेडल जीत के लाती है। भारत को एशियन गेम्स में 100वां पदक जितने का काम भारत की महिला कबड्डी टीम ने किया और उसकी कप्तान भी भारत की हिमाचल की बेटी थी। यह हमारी बेटियों ने करके दिखाया है।

आगे बोलते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में पिछले 6 वर्षों से हर घर जांच और उपचार की यह सुविधा अस्पताल के माध्यम से सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा दे रही है। जहां 40 तरह के आपकी जांच हो सकती है, उपचार भी होता है और दवाई भी मुफ्त में दी जाती है। इस महीने इस सेवा से लगभग 10 लाख लोग लाभवंतित हो जायेंगे।

सूबे में तरक्की और खुशहाली के नये युग की शुरूआत करेगा गुरु अमरदास थर्मल प्लांट: केजरीवाल/मान

आने वाले लोक सभा चुनाव के दौरान आप को मजबूत करने की लोगों से अपील

दर्पण न्यूज सर्विस
तरन तारन

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने लोक कल्याण और विकास के एजंडे को राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र में लाने के लिए ह्यआपह्ल को मजबूत करने के लिए लोगों के पूर्ण समर्थन और सहयोग की माँग की। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों को भारतीय राजनीति केंद्र में लाने का सेहरा अरविन्द केजरीवाल को जाता है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने फूट डालने वाली राजनीति को नकार कर मानक राजनीति की शुरूआत करके राजनीति में सराहनीय बदलाव लाया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह बड़े गर्व और संतुष्टी की बात है कि बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक मौके के गवाह बने हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रैली में लोगों का भरपूर समर्थन राज्य सरकार की जनहितैषी और विकास समर्थकीय नीतियों में उनके भरोसे को दिखाता है। उन्होंने कहा कि सरकारी जायदादें चहेतों को बेचने के रुझान के उलट पंजाब सरकार ने प्राईवेट प्लांट खरीदने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वह दिन दूर नहीं, जब राज्य सरकार राज्य के बाकी बचे प्राईवेट थर्मल प्लांटों को खरीद लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग अब परिवार बचाओ यात्रा के रास्ते पर चल रहे हैं, उन्होंने अपने लम्बे कार्यकाल के दौरान राज्य को लूटा है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने बेरहमी से राज्य को बर्बाद कर दिया, जिस कारण इनको सत्ता से बाहर किया गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोग इन नेताओं के एक भी शब्द पर भरोसा नहीं करते, जिस कारण यह नेता हमारे साथ बैर रखते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के लोग राज्य सरकार की लोक हितैषी नीतियों की हिमायत करते हैं, जिस कारण राज्य के हर समागम में बड़ी संख्या में लोग हाजिऱ होते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वह बहुत खुशकिस्मत हैं कि लोग उनके साथ हैं क्योंकि लोकतंत्र में लोग ही सर्वोच्च होते हैं। उन्होंने कहा कि विरोधी पक्ष खासकर कांग्रेस और अकालियों ने लोगों का पूरा समर्थन गवां दिया है, जिस कारण वह गुमनामी के रास्ते पर चले गए हैं। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि रिवायती पार्टियाँ उनसे ईर्ष्या करती हैं क्योंकि वह एक आम परिवार से सम्बन्धित हैं और लोगों की भलाई सुनिश्चित बनाने के लिए अथक मेहनत कर रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन नेताओं को हमेशा यह विश्वास था कि उनके पास शासन करने का ईश्वरीय अधिकार है, जिस कारण उनको यह हजम नहीं हो रहा कि एक आम आदमी राज्य को कुशलता से चला रहा है। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने लम्बा समय लोगों को मूर्ख बनाया, परन्तु अब लोग इनके गुमराह करने वाले प्रचार में नहीं आएंगे।

मुख्यमंत्री ने व्यंग्य कसते हुए कहा कि पहले उद्योगपति सत्ता में रहने वाले परिवारों के साथ समझौतों पर दस्तखत करते थे परन्तु जब से उन्होंने कार्यभार संभाला है, राज्य के लोगों के लिए समझौतों पर दस्तखत किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि पहले समृद्ध परिवारों को इन समझौतों का लाभ मिलता था परन्तु अब पंजाबियों को इसका लाभ मिलेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार समाज के हरेक वर्ग की भलाई के लिए अथक मेहनत कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहीद भगत सिंह और अन्य महान स्वतंत्रता सेनानियों की आशाओं को पूरा करने के लिए पहले ही हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनहितैषी और विकास समर्थकीय नीतियों का मंतव्य इन महान राष्ट्रीय नेताओं के सपनों को साकार करना है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोक कल्याण योजनाओं का लाभ निचले स्तर तक लोगों तक पहुँचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आम आदमी की भलाई के लिए लिए गए सभी जनहितैषी फैसले केंद्र सरकार को हजम नहीं हो रहे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आम आदमी क्लीनिकों के लिए फंड रोके गए हैं और केंद्र सरकार द्वारा राज्य को ग्रामीण क्षेत्रों में सडकें बनाने से रोकने के लिए 5500 करोड़ रुपए के ग्रामीण विकास फंड भी रोक दिए गए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अगर यह फंड जारी कर दिए जाएँ तो राज्य सरकार पंजाब के विकास को और अधिक बढ़ावा दे सकती है। मुख्यमंत्री ने लोगों को आह्वान किया कि आगामी लोक सभा मतदान में ह्यआपह्ल को पूर्ण समर्थन और सहयोग दें। उन्होंने कहा कि यह लोगों और राज्य के मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से उठाने में मदद करेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए लोगों का सहयोग बहुत जरूरी है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ह्यआपह्ल को बदनाम करने के लिए हर समय चालें चल रही है क्योंकि वह डरती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विरोधी पक्ष खासकर ह्यआपह्ल को तोडने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का प्रयोग कर रही है। अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि जब तक जनता ह्यआपह्ल पार्टी के साथ है और ईश्वर का आशीर्वाद है तो हमें किसी का डर नहीं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को ऐसे दोगले नेताओं को उपयुक्त जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को यह जवाब देना चाहिए कि उनको मुफ्त बिजली देने वाले चोर नहीं, बल्कि चोर वह हैं, जो महँगी बिजली देकर लोगों को लूटते हैं। अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि देश की तरक्की का अंतिम लक्ष्य लोगों के सहयोग के साथ ही हासिल किया जाएगा।

75 सालों में पहली बार राज्य सरकार ने प्राईवेट पावर प्लांट खरीदा

अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि पिछले 75 सालों में पहली बार राज्य सरकार ने प्राईवेट पावर प्लांट खरीदा है। उन्होंने कहा कि यह प्लांट राज्य सरकार द्वारा सस्ते भाव पर खरीदा गया है। अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने 5500 करोड़ रुपए का यह प्लांट केवल 1100 करोड़ रुपए की कीमत पर खरीदा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 90 फीसदी घरों को पहले ही मुफ्त बिजली मिल रही है और इस प्लांट के साथ अब अन्य सैक्टरों को भी सब्सिडी आधारित बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शनिवार को घर-घर मुफ्त राशन योजना शुरू की गई है, जो देश से राशन माफिया को खत्म करने के लिए अहम कदम साबित होगा। अरविन्द केजरीवाल ने दोहराया कि पिछले 75 सालों से कभी भी पी.डी.एस. के द्वारा राशन लाभार्थियों तक नहीं पहुँचा। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले अगर 100 किलो राशन आता था तो केवल 15 किलो ही लोगों तक पहुँचता था और यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि किसी ने भी राशन की चोरी की जांच नहीं की। अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी के लिए आने वाले राशन को राजनीतिक पार्टियों और उनके नेताओं ने लूटा है। उन्होंने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं, जब लोगों को देश भर में राशन की निर्विघ्न और सुचारू डिलीवरी मिलेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने राज्य में विभिन्न जनहितैषी योजनाओं के 8000 करोड़ रुपए रोकने के लिए केंद्र सरकार की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह राज्य के साथ सरासर बेइन्साफी है, जिसको बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार आम आदमी पार्टी की मकबूलियत से डरती है, जिस कारण वह हमारे कामकाज में काँटे बिछाने के लिए निम्न दर्जे की राजनीति कर रही है।

सरकार जातिगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी वर्गों के लिए कर रही है कार्य: मनोहर लाल

मुख्यमंत्री ने कल्याणी माता मंदिर सेक्टर 15 में माथा टेक लिया आशीर्वाद, मंदिर में साफ- सफाई कर धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखने का दिया संदेश

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़ (दर्पण न्यूज सर्विस)

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान सरकार जातिगत राजनीति से उपर उठकर गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों की भलाई के लिए कार्य कर रही है। उन्होने कहा कि इनके कल्याण से ही देश एक विकसित राष्ट्र बनेगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल आज सेक्टर 15, पंचकूला स्थित जैन भवन में प्रबुद्ध नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता भी उपस्थित थे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने कल्याणी माता मंदिर सेक्टर 15, पंचकूला में माथा टेक आशीर्वाद लिया और मंदिर के मुख्य द्वार की साफ सफाई कर धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया।

मनोहर लाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश की ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे बडी लोकतांत्रिक पार्टी है। देश में अनेक राजनीतिक पार्टियां है परंतु यदि लोकतांत्रिक तरीके से चलने वाली कोई पार्टी है तो वह भारतीय जनता पार्टी हैं। उन्होंने कहा कि हम लोकतांत्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास रखने वाले हैं, प्रदेश सरकार हर नागरिक के जनहित में कार्य कर रही है।

मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान हरियाणा सरकार प्रयोगधर्मी सरकार है और लोगों की भलाई और उनके जीवन को सुगम बनाने के लिए अनेक नए प्रयोग किए गए है। आरंभ में व्यवस्थाओं में परिवर्तन करते समय कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पडता है। परिवार पहचान पत्र कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि इस कार्यक्रम की शुरूआत में विपक्ष के विरोध का भी सामना करना पड़ा परंतु आज परिवार पहचान पत्र कार्यक्रम की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। हरियाणा संभवतः इस अनूठे कार्यक्रम को शुरू करने वाला देश का प्रथम राज्य है। आज परिवार पहचान पत्र कार्यक्रम से प्रभावित होकर अन्य प्रदेश भी इसका अनुसरण कर रहे है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्षी दल कहते है कि यह सरकार पोर्टल की सरकार है।

मनोहर लाल ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रदेश की जनता जिसे पोर्टल के माध्यम से घर बैठे विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है वहीं जनता ऐसी पार्टियों का राजनीतिक भविष्य खत्म करेगी। लोगों से सीधा संवाद करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि आयुष्मान भारत, वृद्धावस्था सम्मान भत्ता जैसी अनेकों कल्याणकारी योजनाओं से लाखों लोग लाभान्वित हुए है। इन योजनाओं का सबसे अधिक लाभ गरीब लोगों को हुआ है। उन्होने कहा कि गरीब की चिंता हम सबको करनी है, इसके लिए सरकार के साथ साथ अन्य संस्थाओं को भी आगे आना होगा। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने जनसंपर्क अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से भी मुलाकात की।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से पूरे देश में उत्साह का माहौल है: मनोहर लाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से पूरे देश में उत्साह का माहौल है। महात्मा गांधी ने कहा था कि देश में रामराज होना चाहिए। आज देश का बच्चा-बच्चा कह रहा है कि भारत में रामराज की नींव रखी जा चुकी है। इससे पूर्व पत्रकारों द्वारा देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मनोहर लाल ने कहा कि लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता है, जिन्होंने पार्टी को खड़ा करने में अहम योगदान दिया। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि पिछले दो महीनों में ही पांच भारत रत्न प्रदान किए गए है और इसके लिए वे राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते है। उन्होंने कहा कि देश की बड़ी हस्तियों में आडवाणी जी के साथ- साथ कपूर्री ठाकुर जी, नरसिम्हा राव जी, चौधरी चरण सिंह जी और डॉक्टर स्वामीनाथन जी को भी उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए भारत रत्न से सम्मानित करने का फैसला लिया गया है। एक साथ इतनी विभूतियों को भारत रत्न दिया जाना एक सराहनीय कदम है। इस अवसर पर नगर निगम महापौर कुलभूषण गोयल, उपायुक्त सुशील सारवान, पुलिस उपायुक्त सुमेर प्रताप सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त हरीश वशिष्ठ तथा नगर निगम आयुक्त सचिन गुप्ता सहित अन्य प्रबुद्ध व्यक्ति उपस्थित थे।

- हरियाणा सरकार लोगों की भलाई और उनके जीवन को सुगम बनाने के लिए कर रही है नए प्रयोग
- परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) कार्यक्रम का अन्य प्रदेश भी कर रहे हैं अनुसरण- मुख्यमंत्री

आज का कार्टून

तीसरी आंख

यूपी के मुख्यमंत्री योगी पुणे, महाराष्ट्र में गीता भक्ति अमृत महोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए

प्रधानमंत्री ने सेनाओं को सशक्त बनाने के लिए यूपी में डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की: योगी

दर्पण न्यूज सर्विस
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज पुणे, महाराष्ट्र में स्वामी गोविन्द देव गिरिमहाराज के जन्मोत्सव पर गीता भक्ति अमृत महोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने स्वामी गोविन्द देव गिरिमहाराज को भगवान गणेश की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश्वर महाराज संजीवन समाधि मन्दिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे। रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः!! श्लोक से प्रारम्भ कर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की सेनाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की। यह डिफेंस कॉरिडोर छत्रपति शिवामहाराज को समर्पित है। प्रदेश में शक्तियां जुड़ रही हैं तथा पूज्य संतों के माध्यम से भक्ति का प्रवाह हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भक्ति तथा शक्ति के अद्भुत संगम के परिणामस्वरूप अयोध्या नगरी में पूज्य संतों के सान्निध्य में प्रधानमंत्री के पुरुषार्थ से उनके कर-कमलों द्वारा 500 वर्षों की लम्बी प्रतीक्षा के पश्चात 22 जनवरी, 2024 को प्रभु रामलला स्वयं के दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान हुए। हम सभी को यह अलौकिक क्षण देखने को प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने महोत्सव में उपस्थित महानुभावों को अयोध्या आगमन के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि दिव्य, भव्य और नव्य अयोध्या आप सभी को आमंत्रित कर रही है। स्वामी गोविन्द देव गिरिमहाराज के जन्मोत्सव पर गीता भक्ति अमृत महोत्सव पूरी भव्यता तथा दिव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है। यह महोत्सव विगत 75 वर्षों से वैदिक सनातन धर्म के लिए अपने पुरुषार्थ, साधना व परिश्रम से कार्य करने वाले स्वामी के प्रति

कृतज्ञता ज्ञापित करने का सुअवसर है। इन्होंने सनातन वैदिक धर्म के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी ने श्रीमद् भगवद गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए देश और दुनिया में वैदिक पाठशालाओं की स्थापना की। देश को वेदों का मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए लम्बी वेदपाठी परम्परा चलाई। जो कार्य मध्य काल में समर्थ गुरु रामदास महाराज ने छत्रपति शिवामहाराज का मार्गदर्शन करके किया था, वह कार्य देश और दुनिया में स्वामी के सान्निध्य में किया जा रहा है। स्वामी का सान्निध्य तथा मार्गदर्शन सनातन धर्मावलम्बियों को लम्बे समय तक प्राप्त होता रहे तथा सनातन धर्म की पताका अनन्तकाल तक लहराती रहे, ऐसी भगवान ज्ञानेश्वर महाराज से प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं गुरु परम्परा के अनुसार सनातन धर्म के लिए समर्पण भाव से कार्य करते हैं। यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस अद्भुत महोत्सव में आलन्दी आने तथा भगवान ज्ञानेश्वर महाराज की परम्परा को प्रणाम करने अवसर प्राप्त हुआ। हमारी परम्पराएं आपस में मिलती हैं। पूज्य स्वामी गोविन्द देव गिरिमहाराज ने इन परम्पराओं को जोड़ने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने बचपन में ज्ञानेश्वरी का अध्ययन किया था। तभी से भगवान ज्ञानेश्वर महाराज को जानने की प्रबल इच्छा थी, जिन्होंने मात्र 15 वर्ष की उम्र में ज्ञानेश्वरी का उपदेश देकर भक्तों को नई राह दिखाई तथा 21 वर्ष की उम्र में सजीव समाधि लेकर भारत के अध्यात्म को सम्पूर्ण भूमण्डल पर अलंकृत किया। ऐसे दिव्य संतों का सान्निध्य प्राप्त करने की सदैव अभिलाषा रही। कार्यक्रम को स्वामी गोविन्द देव गिरिमहाराज ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती, योग ऋषि स्वामी रामदेव जी, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द महाराज, स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज, स्वामी राजेन्द्र दास महाराज, स्वामी रमेश भाई ओझा, साध्वी भगवती देवी, उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महाराष्ट्र सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकान्त पाटिल सहित अन्य उपस्थित थे।

पंजाब ने नया इतिहास सृजन किया: भगवंत सिंह मान और अरविन्द केजरीवाल ने श्री गुरु अमरदास पावर प्लांट लोगों को किया समर्पित

राज्य सरकार ने 1080 करोड़ रुपए की लागत से निजी कंपनी जी.वी.के. पावर से खरीदा प्लांट

दर्पण न्यूज सर्विस
गोइन्दवाल साहिब (तरन तारन)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने रविवार को श्री गुरु अमरदास थर्मल प्लांट को लोगों को समर्पित करके नया इतिहास रचा है। पंजाब सरकार ने प्राईवेट कंपनी जी.वी.के. पावर की मल्कीयत वाला यह गोइन्दवाल पावर प्लांट 1080 करोड़ रुपए की लागत से ख़रीद कर इतिहास रचा है। यह पहली दफा है जब सरकार ने कोई प्राईवेट पावर प्लांट ख़रीद कर उल्टा दौर शुरू किया है, जब कि पिछले समय में राज्य सरकारें अपने चहेतों को कम कीमतों पर सरकारी संस्थान बेचने की आदी रही हैं। किसी राज्य सरकार द्वारा पावर प्लांट का यह सबसे कम कीमत पर किया समझौता है क्योंकि 600 मेगावाट की क्षमता वाले कोरबा वेस्ट, झाबुआ पावर और लैंको अमरकंटक जैसे पावर प्लांट क्रमवार 1804 करोड़ रुपए, 1910 करोड़ और 1818 करोड़ रुपए में ख़रीदे गए थे। पंजाब सरकार ने 540 मेगावाट की क्षमता वाला पावर प्लांट दो करोड़ रुपए प्रति मेगावाट के हिसाब से खरीदा है। यह किसी पावर प्लांट के लिए अब तक की सबसे कम कीमत है, जब कि अब तक हुई ख़रीदों के मुताबिक कीमत तीन करोड़ रुपए प्रति मेगावाट रही है। इस प्लांट का नाम बदल कर तीसरे गुरू साहिब के नाम पर श्री गुरु अमरदास थर्मल पावर प्लांट रखा गया है। इस थर्मल प्लांट की क्षमता 61 प्रतिशत थी, जब कि इसमें से केवल 34 प्रतिशत तक का ही प्रयोग होता था, परन्तु अब इस प्लांट की क्षमता को 75 से 80 प्रतिशत तक किया जाएगा, जिससे राज्य में बिजली पैदावार में वृद्धि होगी। पछवाड़ा कोयला खदान का कोयला केवल सरकारी बिजली प्लांटों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कारण अब इस प्लांट की ख़रीद से यह कोयला यहाँ बिजली उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिससे राज्य के हरेक क्षेत्र को बिजली मुहैया होगी। इस ख़रीद समझौते से बिजली की दर में प्रति यूनिट एक रुपए की कटौती करने में मदद मिलेगी, जिससे बिजली ख़रीद पर 300 से 350 करोड़ रुपए की बचत होगी। इससे राज्य के उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

पछवाड़ा कोयला खदान से कोयला मिलने के कारण बिजली की पैदावार (दोगुनी से अधिक) करने में मदद मिलेगी क्योंकि प्लांट लोड फैक्टर अब तक के औसतन 34 प्रतिशत के मुकाबले 75 से 80 प्रतिशत तक पहुँचने की संभावना है। यह प्लांट कार्यशील होने से पंजाब के नौजवानों के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे, जिससे वह राज्य की तरक्की और खुशहाली में बराबर हिस्सेदार बनेंगे। जिक्रयोग्य है कि 540 मेगावाट (2270) की क्षमता वाले गोइन्दवाल प्लांट के प्रोजैक्ट का विचार साल 1992 में आया था। शुरूआती तौर पर 500 मेगावाट की क्षमता वाले प्लांट का समझौता साल 2000 में हुआ था, जिसके बाद 540 मेगावाट की क्षमता वाले प्लांट के लिए एम.ओ.यू. साल 2006 में हुआ था और इसके बाद में साल 2009 में 540 मेगावाट के लिए संशोधित बिजली खरीद समझौता हुआ था। यह प्रोजैक्ट साल 2016 में अमल में आया था परन्तु अब पी.एस.पी.सी.एल. ने 11 अन्य कंपनियों के मुकाबले में इसको खरीद लिया है। इन 11 कंपनियों में जिन्दल पावर, अदानी पावर, वेदांता ग्रुप, रश्मि मेटालिक्स, शेरीशा टैक्नोलॉजिज, साई वर्धा पावर, मेगा इंजनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर, इंडिया कोक एंड पावर प्राईवेट लिमिटेड, आर.के.जी. फंड (आर.के.जी. ट्रस्ट), के.एल.यू. रिसोर्स और कैपरी ग्लोबल होल्डिंग एंड प्राईवेट लिमिटेड ने फरवरी, 2023 को अपने आवेदन जमा करवाए थे, जिसके बाद आखिर में पी.एस.पी.सी.एल ने इसको खरीद लिया। साल 2016-2023 के दरमियान राज्य सरकार ने पावर प्लांटों से 7.08 रुपए प्रति औसतन यूनिट के मुताबिक 7902 करोड़ रुपए अदा करके 11,165 मिलियन यूनिट बिजली ख़रीदी थी। जब कि पछवाड़ा कोयला खदान से कोयले की सप्लाई शुरू होने से बिजली की कीमत प्रति यूनिट 4.50 रुपए प्रति यूनिट होगी, जिससे सालाना 300-350 करोड़ रुपए की बचत होगी और यह पैसा लोगों की भलाई पर खर्चा जाएगा। यह प्लांट सरकार के हाथों में आने से राज्य में अब तीन सरकारी और दो प्राईवेट थर्मल प्लांट कार्यशील होंगे।

दुल्हन को लेने हेलीकॉप्टर में पहुंचा दूल्हा

दर्पण न्यूज सर्विस
जालन्धर

हर इंसान शादी कुछ अलग अंदाज में करने की सोचता है। अपनी शादी को खास बनाने के लिए कुछ हट कर प्लानिंग करते हैं। इसके लिए कोई बढ़िया से बढ़िया गाड़ी लेकर जाता है तो कोई हेलिकॉप्टर लेकर दुल्हन को लेने पहुंचता है। ऐसा ही एक ताजा मामला जालंधर के ढिलवां में सामने आया है, जहां पर दूल्हा अपनी दुल्हन को लेने हैलीकाप्टर से पहुंचा। दरअसल जालंधर के ढिलवां में एक शादी समारोह के दौरान दूल्हे ने हेलीकॉप्टर से एंट्री मारी, जिसे देखकर सभी लोग हैरान रह गए। कहते है कि प्यार अगर सच्चा हो तो अपने प्यार पाने के लिए कुछ तो अलग करना बनता ही है, तो ऐसा ही कुछ अलग करके दिखाया है नकोदर के बाठ कलां के रहने वाले सुखविंद्र सिंह ने। जी हां, आज जालंधर के ढिलवा में स्थित एक रिजॉर्ट में दूल्हे की एंट्री को देख पूरे इलाके के लोग देखते ही रह गए, जब

दुल्हे ने हैलीकाप्टर से एंट्री मारी। हैलीकाप्टर के उतरते ही दूल्हे का बड़ी खुशी से लोगों द्वारा स्वागत किया गया तथा हर तरफ खुशी का माहौल था। इलाके में हैलीकाप्टर उतरता देखा लोग पहले तो हैरान हुए, लेकिन इसके साथ उनकी खुशी का ठिकाना भी नहीं था। दूल्हे के रिश्तेदारों ने बताया कि दोनों के बीच में यह प्यार करीब 17 सालों से चल रहा था, जोकि आज परवान चढ़ा है।

सुखविंदर सिंह ,जोकि पेशे से एक बिजनेसमैन है, का आज जालंधर के ढिलवा में स्थित एक रिजॉर्ट में विवाह था। दूल्हे द्वारा हैलीकाप्टर में एंट्री देख पूरे इलाके के लोग हैरान हो गए। वहीं दुल्हन भी अपने दूल्हे राजा की इस तरह से एंट्री को देख फूले न समाई। वहीं परिवार वालों का कहना है कि उनकी भी दिलो ख्वाहिश थी कि उनका बेटा हैलीकाप्टर में अपनी दुल्हन को लेने जाए, जोकि आज उसने पूरा करके दिखाया है तथा परिवारों वालों की मन की इच्छा भी पूरी कर दी है।

रोटरी क्लब द्वारा आयोजित प्रथम सामूहिक विवाह में महिलाओं ने कन्याओं को लगाई हल्दी रस्म

प्रदीप शर्मा
यमुनानगर

रोटरी क्लब की ओर से बुधवार 14 फरवरी बसंत पंचमी पर महाराजा अग्रसेन सीनियर सेकेंडरी स्कूल गुमथला राव में 5 जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं का पहला सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसको लेकर रविवार को शहर की शिवमंदिर धर्मशाला में पांचों कन्याओं की हल्दी बान रस्म अदा की गई। इस अवसर पर रोटरी क्लब वूमैनस की ओर से पूजा माटिया व मोनिका आहुजा की देखरेख में आयोजित हल्दी बान रस्म में काफी संख्याओं में महिलाओं ने भाग लिया। वहीं कन्याओं को महिलाओं ने हल्दी बान लगाकर उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महिलाओं ने शादी की खुशी में नाच गाकर खुशियां मनाई। प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉ. सुदेश बंसल ने बताया कि विवाह समारोह में शिक्षामंत्री कंवरपाल

गुर्जर के बेटे निश्चल चौधरी मुख्यातिथि होंगे। कार्यक्रम में समाजसेवी व उद्योगपति संदीप गर्ग, ग्लोबल इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन सीए एसके जिंदल, डॉ. पूजा कांबोज, रणधीर चौधरी, चेयरमैन कॉपरेटिव बैंक यमुनानगर धर्मसिंह बंचल, समाजसेवी भीम सिंह राठी, राइट डायरेक्शन के चेयरमैन विनय मित्तल बिन्नी, गुरुकुल लाडवा के निदेशक रणधीर सिंह पंजेटा वशिष्ठ अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं को क्लब की ओर से सभी जरूरी सामान शादी में दिया जायेगा। विवाह कार्यक्रम को लेकर रोटरी क्लब, रोटरी क्लब वूमेन सेल, इनरव्हील क्लब, इंटरेक्ट क्लब सहयोग कर रही है। कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस अवसर पर पूजा माटिया, मोनिका आहुजा, नीलम कांबोज, खुशी कक-ड, रानी सैनी, शिमला चौधरी, रानी गर्ग, सरिता बंचल, लीला रोहिल्ला, साक्षी पुरूथी, लक्ष्मी चोपड़ा, रूबी कांबोज, रीमा टंडन, संजना सलूजा, मंजीत कौर आदि मौजूद रही।

पंजाब सरकार द्वारा 1240 मिन्नी आंगनवाड़ी केन्द्रों को मुख्य केन्द्रों में किया अपग्रेड: डॉ. बलजीत कौर

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

पंजाब सरकार द्वारा राज्य के 1240 आँगनवाड़ी केन्द्रों को मिन्नी आँगनवाड़ी केन्द्रों से मुख्य आँगनवाड़ी केन्द्रों में अपग्रेड किया गया है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में कुल 27,314 आँगनवाड़ी सैटरों में से 1240 आँगनवाड़ी सैंटर बतौर मिन्नी आँगनवाड़ी सैंटर चल रहे थे। उन्होंने बताया कि इन 1240 आँगनवाड़ी सैटरों में एक वर्कर काम कर रहा था, जिसको प्रति माह मानभत्ता 3500 रुपए दिया जाता था।

पंजाब सरकार के इस प्रयास के स्वरूप 1240 औरतों को मिलेगा रोजगार

डॉक्टर बलजीत कौर ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा पिछले लम्बे समय से आँगनवाड़ी वर्कर यूनियन की माँग पर विचार करते हुए इन 1240 मिन्नी आँगनवाड़ी सैटरों को मेन आँगनवाड़ी सैटरों में तबदील करने की मंजूरी जारी कर दी थी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा दी गई मंजूरी के सम्मुख केंद्र सरकार द्वारा भी इन 1240 मिन्नी आँगनवाड़ी सैटरों को मेन आँगनवाड़ी सैटरों में तबदील करने की मंजूरी जारी कर दी है। मिन्नी से मेन आँगनवाड़ी सैंटर की मंजूरी के अनुसार अब पंजाब में कुल मंजूरशुदा 27,314 आंगनवाड़ी सैंटर मेन आँगनवाड़ी सैटरों की श्रेणी में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि अब मिन्नी आँगनवाड़ी वर्कर का प्रति माह मानभत्ता 3500 रुपए से बढकर कुल 4500 रुपए हो जाएगा। उन्होंने बताया कि आँगनवाड़ी केन्द्रों में आँगनवाड़ी वर्करों और हैल्परों को मानभत्ता केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार दिया जा रहा है और पंजाब सरकार द्वारा अलग से मानभत्ता दिया जाता है।

उन्होंने आगे बताया कि मेन आँगनवाड़ी सैंटरों की मंजूरी से अब 1240 आँगनवाड़ी हैल्परों के पद भी सृजित हुए हैं, जिस कारण 1240 आँगनवाड़ी हैल्परों की भर्ती जल्द की जाएगी। आँगनवाड़ी हैल्पर का मानभत्ता 2250/- रुपए प्रति माह होगा। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले फिक्स मानभत्ते के अलावा राज्य सरकार द्वारा आँगनवाड़ी वर्कर को 5000 रुपए और हैल्पर को 3100 रुपए प्रति माह दिया जाता है, और इसके साथ ही आँगनवाड़ी वर्कर को 500 रुपए और हैल्पर को 250 रुपए जनवरी में सालाना वृद्धि दी जाती है।

किसानों का दिल्ली कूच, सिंघु बॉर्डर पर त्रिस्तरीय सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

किसानों के दिल्ली कूच ऐलान के बाद हरियाणा और दिल्ली पुलिस द्वारा किसानों को रोकने के लिए कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं। सिंघु बॉर्डर को सील करने की तैयारी की जा रही है। किसानों को रोकने के लिए इस बार प्रशासन ने त्रिस्तरीय सुरक्षा चक्र तैयार किया है। दिल्ली और हरियाणा की सीमा पर सिंघु बॉर्डर पर किसानों को रोकने की तैयारी कर ली गई है।

किसानों को रोकने के लिए नेशनल हाइवे पर 6-6 फिट के बड़े-बड़े सीमेंट के बैरिकेड्स लगाए गए हैं। जिसकी मोटाई करीब 10 फिट है। सड़क पर लगाए गए बैरिकेड्स को कंक्रीट से जाम कर दिया गया है। इसके अलावा घग्घर नदी में भी बड़े-बड़े गड्ढे जेसीबी से खोद दिए गए हैं। जिससे ट्रैक्टर उन्हें पार न कर पाएं।

किसानों के दिल्ली कूच के मद्देनजर सिंघु बॉर्डर पर पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी है। सिंघु बॉर्डर पर 16 कंपनियां तैनात होंगी। जिसमें दिल्ली पुलिस व अर्द्ध सैनिक बल के 2500 से 3000 जवान तैनात रहेंगे। रविवार तक यहां करीब करीब एक सौ पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के जवान पहुंच चुके हैं। बॉर्डर के आसपास बंद पड़े सीसीटीवी कैमरे भी सही कराए जा रहे हैं। 3 लेयर सुरक्षा के तहत सबसे पहले कंटीले तार लगाए जाएंगे। उसके बाद बैरिकेड्स जिसमें सीमेंट और लोहे के बैरिकेड्स के प्रबंध किए गए हैं। इसके साथ कंटेनर रखे जाएंगे हैं। कंटेनर के पीछे सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। जिसमें बताया जा रहा है कि पैरा मिलिट्री और पुलिस के करीब 3 हजार जवान तैनात रहेंगे।

संक्षिप्त-समाचार

पतंग लूटने के दौरान घटा हादसा, 14 वर्षीय बच्चा करंट लगने से झुलसा

खन्ना। खन्ना में एक 13 वर्षीय बच्चे को करंट लगने की सूचना है। बताया जा रहा है कि सपेरा बस्ती का रहने वाले लवी पतंग लूट रहा था कि इस दौरान उसे करंट लग गया। किशोर की पहचान अवी निवासी अमलोह रोड खन्ना के रूप में हुई है। करंट लगने से उसका शरीर बुरी तरह से झुलस गया, जिसके बाद उसे अस्पताल भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि अवी पतंग लूटने की कोशिश कर रहा था तो इस दौरान चाईना डोर हाई वोल्टेज तारों से टच हो गई, जिससे कि डोर में करंट आ गया, जिससे कि अवी बुरी तरह से झुलस गया। अवी के परिवार ने चाइना डोर बेचने वालों पर कार्रवाई की मांग की है तथा उनका कहना है कि यह डोर जानलेवा है तथा लोगों को भी इससे सचेत रहना चाहिए।

संदिग्ध हालत में मिली युवक की लाश, जांच में जुटी पुलिस

बटाला। संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत होने का समाचार प्राप्त हुआ है। इस संबंध में थाना सदर के एस.एच.ओ. सुखविंदर सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि अड्डा घसीटपुर के पास स्थित गैस एजैंसी समीप एक युवक मृत अवस्था में पड़ा है। इस पर वह पुलिस पार्टी के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। इस दौरान मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड से युवक की पहचान अभि शर्मा पुत्र रामपाल शर्मा निवासी गली देवा सिंह, बाजार लुहारां वाला, चौक लछमनसर, अमृतसर के रूप में हुई है। थाना प्रमुख ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है और फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल के डैड हाऊस में रखवा दिया गया है।

पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हुई डायल 112 पीसीआर, दो पुलिसवाले हुए घायल

जाखल। पुलिस थाना जाखल की डायल 112 पीसीआर गांव साधनवास के पास करीब रात 9 बजे नीलगाय आगे आने से पेड़ से टकराकर बुरी तरह से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे गाड़ी में सवार पुलिसकर्मी घायल हो गए। इन्हें जाखल के अस्पताल में लाया गया और यहां से प्राथमिक उपचार के बाद अग्रोहा मेडिकल रेफर कर दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक शिकायत पर हवलदार रिछपाल सिंह एक अन्य पुलिस कर्मी के साथ गांव सिधानी से शुक्रवार करीब रात 9 वापस जाखल थाना की ओर आ रहे थे। गांव साधनवास के पास नीलगाय आने के कारण ड्राइवर संतुलन खो बैठा। जिसके चलते गाड़ी असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई और बुरी तरह से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना के दौरान दोनों पुलिस कर्मियों को चोटें आई। जिन्हें जाखल अस्पताल से रात को ही अग्रोहा मेडिकल रेफर कर दिया जहां उनकी हालत सामान्य बताई गई है।

बजरंग गर्ग के तीखे तेवर, भ्रष्ट अधिकारियों को दी कुत्ते की संज्ञा

फतेहाबाद। हरियाणा के व्यापारियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन टोहाना में हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग थे। विशिष्ट अतिथि नगर परिषद के चेयरमैन नरेश बंसल प्रमुख समाज सेवी सुरेश सिंगल व प्रमुख उद्योगपति अमन अरोड़ा थे। सम्मेलन में प्रदेश भर से व्यापारी प्रतिनिधियों ने भारी संख्या में भाग लिया। इस दौरान गर्ग ने किसानों के 13 फरवरी को दिल्ली कूच के कॉल पर कहा कि सरकार किसानों की बात को सुनें और उसका हल जरूर करे। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में जो खुले आम रिश्वत का बोलबाला है और अफसर शाही पूरी तरह से हावी है। सरकार को भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल डालनी चाहिए। ऐसे अधिकारी कुत्ते से कम नहीं है।

सीआईए पलवल और बदमाशों में मुठभेड़, एक को लगी गोली, 2 आरोपी काबू

पलवल। सीआईए पलवल स्टाफ को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीआईए ने मुठभेड़ के दौरान 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली से मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी घायल हो गया। जिसके बाद भागने में असमर्थ आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया। आरोपियों के पास से 2 अवैध देशी कट्टा व 5 करतूस बरामद हुए हैं। मुठभेड़ शामिल आरोपियों की पहचान गांव धीमरी थाना शेरगढ़ जिला मथुरा निवासी व भगत जी कॉलोनी पलवल निवासियों के रूप में हुई। उन पर दर्जनों मुकदमें दर्ज हैं। जानकारी मुताबिक किठवाड़ी गांव के पास अल सुबह हुई पुलिस और आरोपियों की मुठभेड़ हुई थी। पुलिस ने बताया की दूर से पुलिस को देख आरोपियों ने फायर करना शुरू कर दिया। जिसके बाद पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक आरोपी घायल हो गया। पुलिसने बताया कि एक आरोपी 4 मुकदमों से अदालत से भगौड़ा घोषित है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चांदहट थाना में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने का कहना है कि आरोपयों को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जाएगा।

हरियाणा के छात्रों के लिए खुशखबरी

भिवानी। हरियाणा में शिक्षा का स्तर और सुधारने के उद्देश्य से हरियाणा शिक्षा विभाग ने अब प्रदेश के स्कूलों में मुख्यमंत्री छात्र परिवहन योजना शुरू की है। इस योजना के शुरू होने के बाद दूर दराज से आने वाले स्कूल के विद्यार्थियों को परिवहन का लाभ मिलेगा। उन्हें स्कूल आने और स्कूल से घर जाने की भी सुविधा मिलेगी। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू कर दिया है। इसके लिए विभाग ने पच्चीस लाख रुपय का बजट भी दिया है । जिला शिक्षा अधिकारी नरेश मेहता ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई ये स्कीम फि लहाल प्रत्येक ज़िले के एक ब्लॉक से शुरू की गई है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्योन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

आह्वान

कांग्रेस अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं की बैठक में किया ऐलान

अकेले लड़ें या गठबंधन में, लेकिन मोदी को देश से हटाना है: खड़गे

दर्पण न्यूज सर्विस
समराला

अखिल भारतीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कार्यकताओं की बैठक के दौरान पार्टी पदाधिकारियों सहित देश की जनता को आर्मंत्रित करते हुए कहा कि चाहे हम इंडिया गठबंधन के साथ लड़ें या अकेले लड़ें, लेकिन मोदी को हटाने के लिए कश्मीर से कन्या कुमारी तक बीजेपी को हराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मोदी देश को बर्बाद करने में लगे हैं और आज नेहरू और इंदिरा गांधी द्वारा बनाए गए हवाई अड्डे, बंदरगाह, सड़कें और जहाज बेचे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की एक ही नीति है कि अमीरों को अमीर बनाकर गरीबों को पूरी तरह कुचल दिया जाए। खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार की हर गारंटी 2 करोड़ नौकरी और हर व्यक्ति के खाते में 15-15 लाख रुपए भेजने जैसी ही है। उन्होंने कहा कि किसानों से तीन कृषि काले कानूनों को रद्द करने और उनकी आय दोगुनी करने

का वादा किया गया था, लेकिन केंद्र द्वारा कानूनों को रद्द करने की अधिसूचना अभी तक नहीं की गई है और किसानों द्वारा आंदोलन अब फिर से शुरू किया जा रहा है। कांग्रेस किसानों के आंदोलन को पूरा समर्थन देगी और कांग्रेस की सरकार बनी तो ये तीनों काले कानून भी रद्द कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब देश में एक व्यक्ति की पूजा होने लगती है तो देश तानाशाही की ओर चला जाता है। डा. मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल में फसलों के समर्थन मूल्य में जो बढ़ौतरी हुई, मोदी सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल में उससे आधी ही की है। इसके अलावा गरीबों को और गरीब बनाने के लिए केंद्र में 30 लाख नौकरियां आधी ही भरी गई हैं, जबकि अमीरों को और अमीर बनाने के लिए बड़े-बड़े कारखाने, हवाई अड्डे, जहाज, बंदरगाह और सड़कें एक-एक करके बेची जा रही हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि बीजेपी की मोदी सरकार खेती को खत्म कर देश की जमीनें कॉरपोरेट घरानों को देना चाहती है। उन्होंने कहा कि सेना में 4 साल की सेवा के लिए शुरू की गई अग्निवीर योजना को बंद कर दोबारा नियमित भर्ती शुरू करने के लिए केंद्र से मोदी सरकार को हटाना जरूरी है। इसलिए कांग्रेस के पदाधिकारियों को हर घर के दरवाजे पर जाकर लोगों का एकजुट करना चाहिए। बैठक में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि आज पंजाब में हर कोई असुरक्षित है। सरकार को गैंगस्टर चला रहे हैं और लोगों को आए दिन धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि कल केजरीवाल की खन्ना रैली में सरकारी बसें और सरकारी मशीनरी की मौजूदगी के बावजूद आज की कांग्रेस रैली जितनी भीड़ नहीं उमड़ी। उन्होंने कहा कि कल आप की रैली से तीन गुना ज्यादा भीड़ जुटकर कांग्रेस कार्यकताओं ने अपनी ताकत दिखा दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह राजा वडिंग ने आम आदमी पार्टी के साथ किसी भी तरह के चुनावी समझौते को खारिज कर दिया और कहा कि वह अकेले चुनाव लड़कर पंजाब की 13 की 13 सीटें जीतेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कल अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने पर केजरीवाल और भगवंत मान पर निशाना साधा और कहा, ह्यआप एक डूबता जहाज है और डूबते जहाज पर कौन चढ़ता है ह्ल उन्होंने कहा कि अकाली दल का भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ने का नाटक था। अंदर खाते यह दोनों दल एक ही है।

सम्मेलन को संबोधित करने आए खड़गे सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर आगामी चुनाव लड़ने का न्यौता देते रहे। लेकिन उम्मीदों के उलट अलग सुर में सुर मिलाने वाले नवजोत सिद्धू आज इस बैठक में भी नहीं आए। हालांकि, इस रैली से कुछ देर पहले सिद्धू द्वारा जारी किए एक वीडियो में उनके सुर कुछ नरम दिखे और लगता था कि वो खड़गे की अगुवाई वाली इस रैली में जरूर पहुंचेंगे, लेकिन उनकी अनुपस्थिति से पार्टी नेतृत्व और आम कांग्रेस कार्यकताओं में उनकी अनुपस्थिति को लेकर बड़ा आश्चर्य है। इस मौके पर अन्य लोगों के अलावा पंजाब मामलों के प्रभारी देवेंद्र यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्टल, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, विधायक सुखपाल खैरा, मनीष तिवारी, भारत भूषण आशु, गुरकीरत सिंह, रुपिंद्र सिंह राजा आदि नेता उपस्थित थे।

नागरिक जन सहायक हैल्प मी एप का लाभ उठाएं

एक क्लिक पर मिलेगी सरकारी सेवाओं की जानकारी व सुविधाएं

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

- सरकारी दूरभाष निर्देशिका, नवीनतम उपलब्धियां, घोषणाए भी मौजूद
- कई प्रकार की वित्तीय सुविधाएं भी मोबाइल एप पर
- एप के माध्यम से एक व्यक्ति कई प्रकार की सेवाएं लेने के लिए कर सकता है आवेदन
- गूगल प्ले स्टोर एप से डाऊनलेड किया जा सकता है एप

हरियाणा सरकार द्वारा दी जाने वाली सेवाएं और सूचनाएं अब एक ही ऐप के माध्यम से मोबाइल पर ही प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा जन सहायक हेल्प मी एप शुरू किया गया है। इस ऐप के माध्यम से आम नागरिकों को सभी सरकारी सेवाएं और सूचनाएं मोबाइल फोन पर ही उपलब्ध होंगी।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मोबाइल एप से यह सेवाएं आप घर पर मौजूद रहते हुए ही ऐप के माध्यम से देखकर ले सकते हैं और योजनाओं का भरपूर फायदा भी उठा सकते हैं। इसके लिए हरियाणा के लोग मोबाइल पर जनसहायक एप डाउनलोड कर सकते हैं। ऐप का इस्तेमाल करने के लिए मोबाइल नंबर या परिवार पहचान पत्र के द्वारा ही रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी है।

प्रवक्ता ने बताया कि नागरिकों को विभाग अनुसार एवं सरल पोर्टल पर उपलब्ध सेवाओं की जानकारी जन सहायक एप पर मिलेगी। इसके अलावा डायल 112 आपातकालीन सेवाएं, 100 पुलिस, 108 एंबुलेंस, 101 अग्निशमन, 104 स्वास्थ्य, 1091 महिला हेल्पलाइन, 1098 बाल हेल्पलाइन, 1075 कोविड-19 हेल्पलाइन सहित अन्य सेवाओं के रूप में निविदाएं, बिल भुगतान, यात्रा, नौकरियां, खेल, आधारभूत संरचना व कौशल विकास और सरल सेवाएं, विभागवार सेवाएं, यूजर्स सेवाएं व जन शिकायत एवं आरटीआई आदि सभी प्रकार की सेवाएं व सूचनाएं भी जन सहायक एप पर उपलब्ध हैं। साथ ही एप पर नवीनतम समाचार, कैलेंडर एवं कार्यक्रम, सरकारी की नवीनतम उपलब्धियां और घोषणाओं सहित सरकारी दूरभाष निर्देशिका भी मौजूद है, जिसका प्रयोग लोग अपने मोबाइल फोन के माध्यम से उठा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि जन सहायक एप के माध्यम से सरकार द्वारा किसी विशेष जिला, आयु वर्ग आदि के नागरिकों को नोटिफिकेशन भेजी जा सकती है। जन सहायक एप पर रजिस्ट्रेशन करवाकर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है। इस जनसहायक एप के माध्यम से सरकार द्वारा दी जा रही सेवाओं पर नागरिक अपने सुझाव भी दे सकते हैं। साथ ही प्राप्त सुझावों का विश्लेषण कर विभागों की सेवा प्रदायगी को और उत्कृष्ट बनाया जा सकता है।

हरियाणा जनसहायक ऐप की मदद से राज्य के नागरिकों को सूखा राशन वितरण, बना बनाया भोजन, डॉक्टर, पढ़ाई, कहीं पर आने-जाने के लिए पास, वित्तीय मदद, सिलेंडर, एम्बुलेंस सहित अन्य विभिन्न सुविधाएं भी उपलब्ध करवाने का विकल्प है।

एप के माध्यम से किसी व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार की सेवा के लिए अनुरोध किये जाने पर तुरंत संबंधित जिला के संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया जाता है। स्वयं सेवी संस्थाएं तथा समर्थ नागरिक एवं परिवार इस एप के माध्यम से पंजीकरण करवा कर जरूरतमंद लोगो को मदद भी पंहुचा सकते हैं। इस एप के माध्यम से घर से ही मोबाइल बैंकिंग एप के द्वारा नकदी की निकासी के लिए भी आवेदन किया जा सकता है।

प्रवक्ता ने बताया कि सभी इच्छुक नागरिक जो जनसहायक मोबाइल एप को डाउनलोड करना चाहते हैं वे गूगल प्ले स्टोर से एप को डाउनलोड कर लें। मोबाइल ऐप के इंस्टॉल होने के बाद ऐप को ओपन करके भाषा का चयन करें। इसके बाद 10 अंको का मोबाइल नंबर दर्ज करके बटन पर क्लिक करें।

न्यूज डायरी

शिल्प मेला के पार्टनर देश तंजानिया पवेलियन के उत्पाद से रिझ रहे पर्यटक

चंडीगढ़। 37 वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला के पार्टनर देश संयुक्त गणराज्य तंजानिया द्वारा मेला परिसर में मुख्य चौपाल के पीछे तंजानिया पवेलियन में देश के शिल्पकारों व बुनकरों के उत्पाद पर्यटकों को रिझा रहे हैं।संयुक्त गणराज्य तंजानिया इस वर्ष शिल्प मेला में पार्टनर देश के रूप में भागीदारी कर रहा है। इस देश के कलाकार भी मुख्य व छोटी चौपाल पर अपने देश की समृद्ध संस्कृति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ रहे हैं। तंजानिया के स्टॉल पर राष्ट्रीय ध्वज के अलावा महिलाओं के आभूषण, वस्त्र तथा समुद्र से बनाए गए सी-वीड पाउडर विशेष रूप से प्रदर्शित की गई है। तंजानिया की स्टॉल पर महिलाओं के आभूषण में माला, पर्स, चूडियां, टोकरी इत्यादि उपलब्ध हैं। तंजानिया की टीम में 30 से अधिक प्रतिनिधि हैं, जिनमें कलाकार, संगीतज्ञ व स्टॉल के प्रभारी शामिल हैं। इस स्टॉल में अफ्रीका के सबसे ऊंचे पर्वत किलामंजरो की तस्वीर भी प्रदर्शित की गई है, जिसकी समुद्री तल से ऊंचाई 5895 मीटर है। यह पर्वत अफ्रीका का सबसे ऊंचा पर्वत है। इसके अलावा वन्य प्राणी अभ्यारण्य की तस्वीर भी प्रदर्शित की गई है, जिसमें शेर, हाथी, भैंस, बाघ तथा गेंडा जैसे पशु पाए जाते हैं।

सूरजकुंड मेले में सरकार की वोकल फॉर लोकल योजना चढ़ रही सफलता की सीढ़ियां

चंडीगढ। सूरजकुंड में चल रहे 37 वें अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में केन्द्र व प्रदेश सरकार की वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने की मुहिम सिरे चढ़ती नजर आ रही है। मेला ग्राउंड में इस बार मिट्टी के बर्तनों की स्टालों की संख्या में अच्छी खासी बढोतरी देखने को मिल रही है। मेले में आने वाले अधिकतर लोग मिट्टी के बर्तन जरूर खरीदकर ले जा रहे हैं। सूरजकुंड में 2 फरवरी से शुरू हुए 37वें अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में इस बार दर्शकों को मिट्टी से तैयार बर्तन बहुत आकर्षित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कामगारों के रोजगार को बढावा देने के लिए वोकल फॉर लॉकल योजना शुरू की थी, जिसके बाद हाथ का काम करने वाले कारीगरों के रोजगार में बढ़ोतरी हुई हैं। सरकार की यह मुहिम इस बार के सूरजकुंड मेले में सफलता की सीढ़ियां चढ़ती नजर आ रही है। फरीदाबाद व आस-पास के राज्यों से अनेक कारीगर इस बार सूरजकुंड मेले में मिट्टी से तैयार बर्तनों की स्टाल लगाए हुए हैं। शिल्प मेला में मिट्टी से तैयार यह बर्तन दर्शकों को भी लुभा रहे हैं। फरीदाबाद से आए गंगाराम और पुष्पा देवी सहित मेला ग्राउंड में अनेकों कारीगरों ने हाथों से तैयार मिट्टी के बर्तनों की स्टॉल लगाई हुई हैं। इन स्टालों पर 20 रुपए से लेकर 1250 रुपए की कीमत के मिट्टी के बर्तन खरीदे जा सकते हैं। मिट्टी से तैयार इन बर्तनों में कप, गिलास, बोतल, कुकर, कढ़ाई, तवा, केतली, लोटा, गुलक, जग, ट्रे सहित बच्चों के खिलौने भी शामिल हैं।

निवेश के लिए हरियाणा बना निवेशकों की पहली पसंदः बनवारी लाल

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

हरियाणा के सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि वर्तमान समय में हरियाणा प्रदेश निवेशकों के लिए निवेश करने की पहली पसंद बन गया है। देश और विदेश की अनेक कंपनियां हरियाणा में अपने उद्योग स्थापित कर रही हैं। सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल रविवार को बावल औद्योगिक क्षेत्र की औद्योगिक संस्था की ओर से आयोजित वार्षिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं लागू की है जिनमें सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगों को दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे बिजली, पानी, सडकें, स्टॉप ड्यूटी में छूट इत्यादि पर विशेष बल दिया गया है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि इज ऑफ डूइंग बिजनेस में प्रदेश की लगातार बेहतरीन रैंकिंग और लोकेशन एडवांटेज के चलते जापानी सहित अन्य मल्टीनेशनल कंपनियां हरियाणा में निवेश करने के लिए लगातार रुचि ले रही हैं। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी सहित अन्य एनसीआर एरिया आज इन्वेस्टमेंट के लिए पहली पसंद बन चुका है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा लोगों में लायी है खुशहाली

घर द्वार पर ही लोगों को दिया जा रहा है स्वास्थ्य सेवाओं व अन्य योजनाओं का लाभ

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन को साकार करने का लोगों ने लिया संकल्प

हरियाणा में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा लोगों में खुशहाली लेकर आयी है। घर द्वार पर ही लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं व अन्य योजनाओं का लाभ मिलने से लोग खुश हैं। यात्रा के दौरान 41 लाख 64 हजार 673 लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के @2047 विकसित भारत विजन को साकार करने का संकल्प लेकर यह दशार्या कि हरियाणा के लोग भी विश्व में भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं।

यात्रा के दौरान सांसद, मंत्री, विधायक और अधिकारी लोगों की समस्याओं को सुनते हैं और उनका समाधान भी कराते हैं। यात्रा के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को अवगत कराया जाता है। लोग योजनाओं की जानकारी लेने के साथ-साथ उनका फायदा भी ले रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि वर्ष 2047 तक भारत को विश्व का विकसित राष्ट्र बनाना है। जिसको पूरा करने के लिए देश में 16 नवंबर 2023 से विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की गई थी। यह यात्रा हरियाणा में 6,718 ग्राम पंचायतों व शहरों के वार्डों को कवर कर चुकी है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान स्वास्थ्य जांच शिविर लगाकर लोगों के सेहत की जांच की जा रही है। शिविरों में निरोगी हरियाणा के अंतर्गत 46 लाख से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई और लोगों को दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान कृषि विशेषज्ञों द्वारा वर्कशाप भी लगाई जा रही है, जिसमें किसानों को खेती करने के नए-नए टिप्स दिए गए।

किसानों को फसल विविधीकरण अपनाने का आह्वान किया गया। तिलहन व दलहन की खेती अपनाने की भी सलाह दी गई। इसके अलावा विशेषज्ञों ने किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की खेती को लेकर चलाई गई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

इसी प्रकार यात्रा के दौरान 7 हजार से अधिक स्थानीय खिलाड़ियों को विशिष्ट व्यक्तियों के द्वारा उनके परिवारजनों व क्षेत्र के अन्य प्रबुद्ध व्यक्तियों के बीच सम्मानित किया जा रहा है, जिससे स्पोर्ट्स हब हरियाणा की उभरती खेल प्रतिभाओं में एक नयी ऊर्जा का संचार देखने को मिल रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा सही मायनों में प्रदेश के हर गली-मोहल्ले तक पहुँचने में कामयाब रही है और प्रदेश की जनता ने योजनाओं का भरपूर लाभ भी उठाया है।

क कर दें। एक ओटीपी सत्यापन कोड प्राप्त होगा जिसके निर्धारित स्थान में दर्ज करके मोबाइल नंबर को सत्यापित कर ले। मोबाइल नंबर के सफलतापूर्वक सत्यापित होने के बाद एप के माध्यम से सेवाओं के लिए अनुरोध किया जा सकता है।

राष्ट्रीय एडवेंचर क्लब द्वारा हिमाचल व हरियाणा की मोरनी हिल्स में आयोजित की गई साहसिक खेल प्रतियोगिता

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल की राज्य की शिवालिक व अरावली पर्वत श्रृंखला में साहसिक खेलों व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उठाये जा रहे कदमों के मद्देनजर राष्ट्रीय एडवेंचर क्लब द्वारा 2 फरवरी से 10 फरवरी, 2024 तक 30वें राष्ट्रीय एडवेंचर फेस्टिवल का आयोजन देवभूमि हिमाचल की पहाड़ियों व हरियाणा के मोरनी हिल्स में किया गया। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में 16 से 45 वर्ष की आयु वर्ग के 275 लड़के व लड़कियों ने भाग लिया। इस फेस्टिवल में बांग्लादेश से भी 7 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि ट्रैकिंग, पर्वतारोहण, नौकायन, स्नो स्केटिंग, स्नो स्कीइंग, पैरा सेलिंग, ऐरो स्पोर्ट्स तथा कमांडो ओब्स्टेकल जैसी साहसिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सोलांग वैली मनाली (हिमाचल प्रदेश) में भेजने से पहले सभी प्रतिभागियों के लिए मोरनी हिल्स की 1467 मीटर सबसे ऊंची चोटी माउंटेन क्विल से करीब पीक तक चढ़ाई करना अनिवार्य था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एडवेंचर क्लब द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित दो भारत गौरव एवं अदम्य साहस पुरस्कार उत्कृष्ट साहसिक खिलाड़ियों को प्रदान किये गए। इस वर्ष निरीक्षक रामलाल को अदम्य साहस पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसमें 31,000 रुपये नकद, एक प्रशस्ति पत्र व एक पट्टिका शामिल थी। समारोह में चित्तगोंग हिल ट्रेक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड, बांग्लादेश के पूर्व चेयरमैन श्री नाबा बिक्रम किशोर त्रिपुरा तथा हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव एवं राष्ट्रीय एडवेंचर क्लब, इंडिया के अध्यक्ष श्री एससी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शिल्पकार अवॉडी महावीर सिंह सैनी पीतल पर नक्काशी कला को दे रहे हैं बढ़ावा

हाई स्कूल की शिक्षा के दौरान अपनाई पीतल पर नक्काशी की कला

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

37 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला में देश-विदेश के शिल्पकार अपनी सर्वश्रेष्ठ कृतियों की ओर पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। मुरादाबाद के राष्ट्रीय शिल्पकार पुरस्कार से सम्मानित महावीर सिंह सैनी पीतल पर नक्काशी की कला को प्रसिद्धि दिलाने में निरंतर प्रयासरत हैं। उन्हें वर्ष 2017 के लिए राष्ट्रीय शिल्पकार अवॉर्ड मिला है। वर्तमान में पीतल धातु महंगी होने की वजह से आज कल उन्होंने कांसे पर नक्काशी करना शुरू किया है। महावीर सिंह सैनी मेला परिसर में स्टॉल संख्या-1240 पर पीतल पर नक्काशी की कृतियों को प्रदर्शित कर रहे हैं। उन्होंने हाई स्कूल में पढाई के दौरान ही 1988 में पडोस में पीतल पर नक्काशी की कला को अपनाने की प्रेरणा ली। माता-पिता ने भी उन्हें इस कला को अपनाकर आत्मनिर्भर होने के लिए प्रोत्साहित किया। आज वे 15 सदस्यों के साथ पूजा हैंडीक्राफ्ट्स समूह के माध्यम से पीतल पर नक्काशी की कला को आगे बढा रहे हैं। इस स्टॉल पर 100 रुपए से 45 हजार रुपए तक की पीतल पर नक्काशी की कृतियां उपलब्ध हैं। उन्होंने 55 हजार रुपए की पीतल पर नक्काशी की जिराफ सैट की कृति को मेले के दौरान पर्यटकों को बिक्री किया है। शिल्पकार महावीर सिंह सैनी का कहना है कि पीतल पर नक्काशी का कार्य इतना आसान नहीं है। धातु को गलाने, मॉल्डिंग और बफिंग की प्रक्रिया के दौरान हानिकारक धुंआ व डस्ट उडती है, जिससे कैंसर बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है। इसके दृष्टिगत वर्तमान में धातु गलाने व बफिंग के कार्य में मशीन का प्रयोग भी शुरू हुआ है।

तत्परता स्वर्ण काल में करें शिकायत, पहला एक घंटा सबसे अधिक महत्वपूर्ण, एक महीने में ही बचाये 6.73 करोड़

पीड़ित 14 घंटे से पहले कर सकते है साइबर क्राइम में शिकायत, बैंक भी जिम्मेदारी लें, तभी होंगी त्वरित कार्रवाईः एडीजीपी

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

- पुलिस ने 20 दिसंबर 2023 से 20 जनवरी 2024 तक दर्ज साइबर ठगी का किया विश्लेषण

प्रदेश में एडीजीपी साइबर की जिम्मेदारी संभाल रहे वरिष्ठ अधिकारी ओपी सिंह का कहना है कि बैंकों को ऑनलाइन ठगी के प्रति अपनी बैंकिंग सुरक्षा प्रणाली को तुरंत मजबूत करने की आवश्यकता है। अक्सर देखा गया है कि अधिकतर मामलों में, पीड़ितों ने साइबर अपराध की रिपोर्ट करने में औसतन 14 घंटे लगाए और कभी-कभी तो 38 घंटे तक, जिससे रिकवरी की संभावना कमजोर हो जाती है, क्योंकि ठग जल्दी से जल्दी ठगी गई राशि को फर्जी बैंक खातों में भेज देते हैं।

हरियाणा पुलिस की साइबर क्राइम एजेंसी द्वारा किये गये विश्लेषण में पता चला है कि जब लोग साइबर ठगी की रिपोर्ट हेल्पलाइन 1930 पर करते हैं, तब तक ठगी को 14 घंटे से अधिक का समय बीत गया होता है, और बैंकों की धीमी प्रतिक्रिया के कारण ठगी गई राशि को ब्लॉक करने में 5-11 घंटे तक की देरी हो जाती है।

पुलिस द्वारा साझा की गई एक्सक्लूसिव जानकारी से इस बात का पता चलता है कि पुलिस ने 20 दिसंबर 2023 से 20 जनवरी 2024 तक दर्ज साइबर ठगी की सभी शिकायतों का विश्लेषण किया। इस अवधि में, बैंकों को तुरंत कार्रवाई करने के लिए 26.8 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले रिपोर्ट किए गए थे। इसमें से केवल 6.73 करोड़ रुपये को सफलतापूर्वक ब्लॉक किया गया, इसका मतलब है कि पुलिस द्वारा रिपोर्ट की गई राशि का 75 प्रतिशत बैंकों की देरी के कारण ब्लॉक नहीं किया जा सका।

एडीजीपी साइबर ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि डेटा विश्लेषण से यह खुलासा होता है कि पुलिस ने पोर्टल पर साइबर ठगी की शिकायत दर्ज करने के बाद बैंकों को तुरंत अलर्ट भेजा, लेकिन इसके बाद बैंकों ने कार्रवाई करने में करीब 5-11 घंटे लगाए। जिसका नुकसान ये हुए कि उस समय तक, ठगी गई राशि को ठगों ने फर्जी खातों में भेजकर एटीएम से या तो नकदी के रूप में निकाल लिया गया या शॉपिंग के लिए इस्तेमाल कर लिया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ह्लशिकायत के पहले स्तर पर बैंकों ने कार्रवाई करने में पांच घंटे लगाए, वहीं जब ठगों ने धनराशि को अगले बैंक में भेजा तो इसमें बैंकों को प्रतिक्रिया करने में 11 घंटे लगे। डेटा विश्लेषण से साफ-साफ पता चलता है कि जहाँ पुलिस को साइबर ठगी की शिकायत बैंकों तक पहुंचाने में औसतन आठ मिनट लगते हैं वहीं बैंक के नोडल अधिकारी भेजे गये अलर्ट पर कार्रवाई करने में काफी समय लेते हैं।

आगे उन्होंने बताया कि अधिकांश शिकायतों में, पीड़ितों ने साइबर अपराध की रिपोर्ट करने में औसतन 14 घंटे लगाए, और कभी-कभी 38 घंटे तक, जिससे रिकवरी की संभावना कमजोर हो गई, क्योंकि साइबर ठग बिना देरी किए फर्जी बैंक खातों में धन को जल्दी से जल्दी स्थानांतरित कर देते हैं।

किसी भी संदेह जनक स्थिति में तुरंत करें 1930 पर कॉल, लेन देन की पुष्टि करें बैंक

साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग में इस चिंताजनक परिस्थिति का उल्लेख करते हुए, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर) ओपी सिंह ने बैंकों को ऑनलाइन ठगी के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया पर कार्य करने पर जोर दिया। एडीजीपी ने कहा कि ह्लहमारा डेटा साइबर अपराध की रिपोर्टिंग और बैंकों की प्रतिक्रिया में चिंताजनक स्थिति दर्शाता है। एक तरफ जहां पुलिस बिना किसी देरी के बैंकों को ठगी के मामलों में अलर्ट भेज रही है, वहीं दूसरी ओर ठगी गई राशि को ब्लॉक करने में बैंकों की प्रतिक्रिया में धीमापन चौंकाने वाला है ह्व हमारी बैंकों से अपील है कि नागरिकों द्वारा साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग और बैंकों के रिस्पांस मैकेनिज्म पर कार्य करें। विदित है कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पंचकूला में स्थित इआरएसएस बिल्डिंग 112 में स्थिति साइबर हेल्पलाइन केंद्र में बैंकों के प्रतिनिधि बैठे है और साइबर ठगी की रिपोर्टिंग की स्थिति में तुरंत शिकायत पर कार्रवाई कर रहे है। आगे उन्होंने बताया कि बैंकों की तरफ से अभी भी कार्रवाई का समय काफी धीमा है। डेटा के अनुसार बैंक एक साइबर ठगी की शिकायत पर कार्रवाई करने में 14 घंटे का समय लेता है वहीं पुलिस एक शिकायत को दर्ज करने और बैंक में भेजने में सिर्फ 8 मिनट का समय लेती है। वहीं आगे बताया कि पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहें हैं जिसमें जनता को किसी भी संदेहजनक ऑनलाइन गतिविधि की तत्काल रिपोर्टिंग के महत्व की शिक्षा दी जा रही है। मीडिया से यह विश्लेषण साझा करने का मकसद यह है कि ठगी गई राशि को ब्लॉक करने की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया जाए। यह साइबर पुलिस की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह तत्परता से मामलों की जाँच करें, लेन-देन की पुष्टि करें और फिर होल्ड किए गए बैंक खातों को तुरंत बहाल करें। जिला पुलिस में नियुक्त साइबर नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि रिपोर्ट्स की रोजाना समीक्षा करनी चाहिए और यदि लेन-देन सही है, तो होल्ड को शीघ्र हटा देना चाहिए। पुलिस द्वारा बैंकों को निर्धारित समय अवधि में रिपोर्ट भेजने के लिए राजी करना चाहिए। यह बिल्कुल नहीं माना जाना चाहिए की निचले क्रम की सभी ट्रांजेक्शन फर्जी हैं। यह भी पुलिस की जिम्मेदारी बनती है कि कानूनन सही लेन-देन को प्रभावित न करें।

संपादकीय

अतिक्रमण

पिछले वर्ष भी हल्द्वानी में वन विभाग, रेलवे और राजस्व विभाग के भूखंडों पर से अवैध कब्जा हटाने का अभियान चलाया गया था। पता चला कि कई जगहों पर भूमाफिया ने सौ और पांच सौ रुपए के स्टांप पर लोगों को सरकारी जमीन बेच दी थी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में सरकारी जमीन पर से अतिक्रमण हटाने की कोशिश में जिस तरह हिंसा भड़क उठी और बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों के घायल होने तथा हिंसा पर उतारू भीड़ पर गोली चलाने से चार लोगों के मारे जाने की खबर आई, उससे अतिक्रमण रोकने के सरकारी प्रयासों पर एक बार फिर गहरा सवालिया निशान लगा है।

गौरतलब है कि हल्द्वानी के एक इलाके में सरकारी भूखंड पर कथित रूप से कब्जा कर मजार और मदरसा बना लिया गया था। उसे हटाने के लिए पुलिस और नगर निगम के कर्मचारी वहां पहुंचे तो स्थानीय लोग उग्र हो उठे और पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया। अब स्थिति यह है कि पूरे शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहां स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इस बात की जांच होनी चाहिए कि भीड़ के उग्र और हिंसक होने के पीछे क्या कोई साजिश है ! इसी तरह पिछले वर्ष जनवरी में भी हल्द्वानी के ही एक इलाके में रेलवे की जमीन पर कब्जा कर बसी एक बस्ती को हटाने का अभियान चलाया गया था। तब भी खासा हंगामा हुआ। अतिक्रमण हटाने के विरोध में लोगों ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और उस मामले को मानवीय करार देते हुए अदालत ने बेदखली पर रोक लगा दी थी। हल्द्वानी में और भी ऐसी जगहें हैं, जहां लोगों ने अतिक्रमण कर बस्तियां या मकान-दुकान बना ली है।

पिछले वर्ष भी वन विभाग, रेलवे और राजस्व विभाग के भूखंडों पर से अवैध कब्जा हटाने का अभियान चलाया गया था। पता चला कि कई जगहों पर भूमाफिया ने सौ और पांच सौ रुपए के स्टांप पर लोगों को सरकारी जमीन बेच दी थी। उन पर लोग घर बना कर रह रहे हैं। उनमें से ज्यादातर स्थानीय निवासी नहीं हैं। वे वहां मजदूरी वगैरह करने के लिए गए थे। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारी भूखंड पर किसी को अवैध रूप से कब्जा कर रिहाइश या कोई कारोबारी भवन बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि प्रशासन और सरकार को तभी ऐसी जगहों को खाली कराने की सुध क्यों आती है, जब लोग वहां बस्तियां बसा चुके होते हैं। देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां अवैध रूप से कायम की गई बस्तियां आबाद न हों। ये बस्तियां कोई एक दिन में या रोतोंरात तो बस नहीं जातीं। कहीं-कहीं तो लोग दावे करते हैं कि वे पचास-पचास वर्ष से रह रहे हैं।

सरकारी भूखंडों पर कब्जे की प्रवृत्ति पुरानी और उजागर है। इसके पीछे सक्रिय लोग भी करीब-करीब पहचाने हुए होते हैं। सरकारी अमले और भूमाफिया के बीच गठजोड़ के जरिए अतिक्रमण कराया जाता है। फरीदाबाद के वनक्षेत्र में वर्षों से आबाद हजारों लोगों की बस्ती को भी इसी तरह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर हटाना पड़ा था। ऐसे मामलों में ठगे और मारे जाते हैं, वे गरीब लोग, जिन्हें धोखे में रख कर भूमाफिया कम कीमत पर जमीन बेच देते हैं। यही नहीं, कई जगह तो बस्तियां बसने के बाद उनमें बिजली-पानी की सुविधाएं भी सरकारी विभागों द्वारा उपलब्ध करा दी जाती हैं। लोग राशन कार्ड, आधार पहचान-पत्र जैसे दस्तावेज भी हासिल कर लेते हैं। तब प्रशासन को यह जरूरी क्यों नहीं लगता कि वह वहां बस रहे लोगों को रोके। किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को हटाया ही जाना चाहिए, मगर उसका तरीका कानूनी होना चाहिए, ताकि हिंसा की नौबत न आने पाए।

आज का राशिफल

मेष: नौकरी पेशा लोग अपनी जॉब को लेकर थोड़े तनाव में रहेंगे। बॉस आपसे किसी कारण नाराज हो सकते हैं। आपसे अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। बेवजह के मामलों में आपको फँसने से बचना चाहिये। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा न करें। अपनी सेहत का ध्यान रखें।

वृषभ: नयी जॉब की शुरूआत हो सकती है। नयी सम्पत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन बहुत सुखमय रहेगा। लवमेट्स प्रेम विवाह की योजना बना सकते हैं। आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे।

मिथुन: कार्यक्षेत्र में आप बड़ा प्रयोग करना चाहते हैं। लेकिन उसे करने में आपको कठिनाई महसूस होगी। पड़ोसियों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। अधिकारी वर्ग आपकी बातों को काफी गम्भीरता से लेंगे। आप अपने काम को लेकर दूसरों पर निर्भर रहेंगे।

कर्क: किसी जरूरी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों को शुभ परिणाम मिल सकते हैं। बच्चे अपने घर के बुजुर्गों के साथ समय बिताना पसन्द करेंगे। आपको कुछ अच्छा सीखने को मिलेगा। व्यवसाय में ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार रखना चाहिये।

सिंह: आपके स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन रहेगा। सहकर्मियों के साथ झगड़ा हो सकता है। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है। पुरानी बातें दोबारा सामने उभर के आ सकती हैं। छात्रों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। आपकी छोटी-छोटी गलतियों को लोग बड़ा करके दिखायेंगे।

कन्या: आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। आपको व्यवसाय में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आज सुबह से आप काफी ऊजार्वान महसूस करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी के साथ अपने मन की इच्छाओं को शेयर करना हितकर होगा।

तुला: कारोबार वृद्धि के लिये लोन ले सकते हैं। दूसरों की मदद करने से आत्मिक सन्तोष की अनुभूति होगी। परिवार के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। रुके हुये काम को पूरा करने में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारियाँ प्राप्त हो सकती है।

वृश्चिक: आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। किसी नयी विधा का प्रयोग आप सीख सकते हैं। वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर काफी गम्भीर रहने वाले हैं। बुद्धिमान लोगों की संगत प्राप्त होगी। किन्तु दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से आपको बचना चाहिये।

धनु: आज आप काफी व्यस्त रहेंगे। बच्चों की गलत गतिविधियों को नजरअन्दाज न करें। विरोधी आपकी आलोचना करेंगे। विद्यार्थियों के लिये दिन बहुत अच्छा है। कारोबार में मनोनुकूल परिणाम मिलने की सम्भावना कम हैं। अनावश्यक खर्चों के कारण आपका बजट गड़बड़ा सकता है।

मकर: पारिवारिक जीवन बेहद सुखद रहेगा। घर के बड़े आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे। घर की साज-सजावट पर ध्यान देंगे। जीवनसाथी के साथ दर्शनीय स्थल का आनन्द ले सकते हैं। व्यापार के नये अवसर प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। विवाह योग्य जातकों का आज विवाह तय हो सकता है।

कुंभ: आज आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। अनुचित खानपान के कारण पाचन खराब होने की आशंका है। शरीर में थकावट और कमजोरी महसूस हो सकती है। नींद पर्याप्त मात्रा में लें, जिससे आप ऊजार्वान महसूस करेंगे। युवा वर्ग गलत वृत्तियों की तरफ आकर्षित हो सकते हैं।

मीन: प्रभावशाली लोगों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। कामकाजी महिलाओं के लिये दिन बहुत ही अच्छा है। आज व्यवसाय में तेजी रहेगी। पहले हुये नुकसान की आज भरपायी हो सकती है। घर के किसी सदस्य के विवाह को लेकर चर्चा जोर पकड़ेगी।

गोस्वामी तुलसीदास जी ने 966 दिनों में लिखा था रातचरितमानस

हनुमान चालीसा भी इन्होंने लिखा था

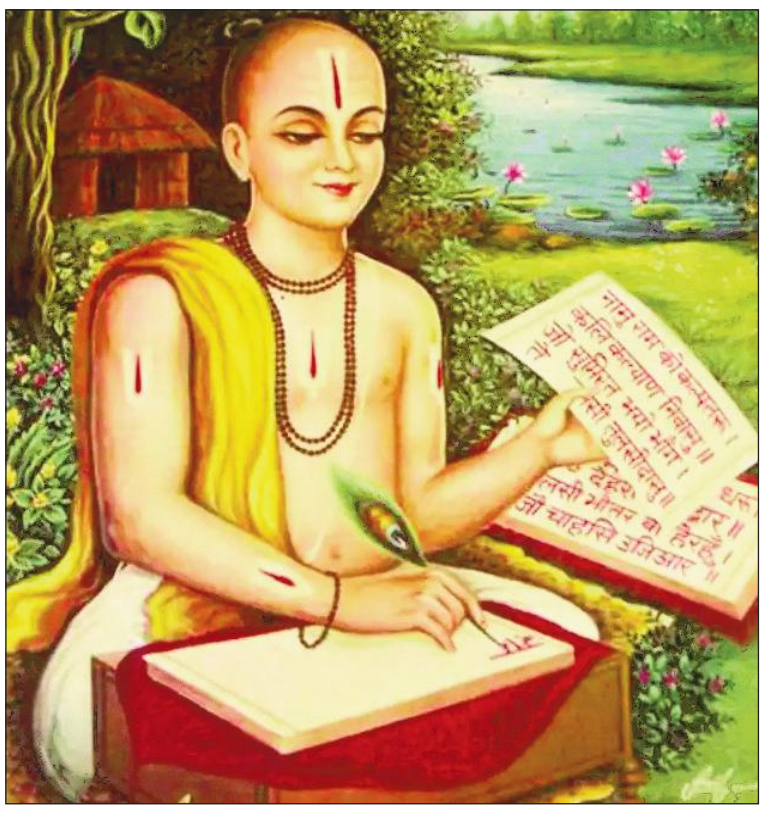

सावन महीने के शुक्ल पक्ष की सातवीं तिथि पर गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाते हैं। जो कि इस बार गुरुवार, 4 अगस्त को है। गोस्वामी तुलसीदासजी का जन्म संवत1554 में उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के राजापुर गांव में हुआ था। इसी गांव में ही श्रीरामचरित मानस मंदिर है, जहां तुलसीदासजी ने ये ग्रंथ 966 दिनों में लिखा। संवत 1680 में उनका निधन हो गया था।

कहा जाता है कि जन्म के बाद तुलसीदास रोए नहीं बल्कि उनके मुंह से राम शब्द निकला। इसलिए बचपन में इनका नाम रामबोला था। ये भी कहा जाता है कि जन्म से ही तुलसीदास जी के बत्तीस दांत थे।

गोस्वामी तुलसीदास का जीवन

जन्म के बाद इनकी मां हुलसी का निधन हो गया था। पिता का नाम आत्माराम था। बालक रामबोला प्रारंभ से ही विद्वानों की शरण में रहने लगे थे। बाद में बाबा नरहरि ने इन्हें तुलसीदास नाम दिया। नरहरि बाबा को तुलसीदास का गुरु माना जाता है। तुलसीदास की शादी रत्नावली से हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद ही वे पत्नी से दूर हो गए और श्रीराम की भक्ति में लीन हो गए।

तुलसीदास ने अपने 126 के जीवन में कई ग्रंथों की रचना की थी। इनमें श्रीरामचरित मानस सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। इस ग्रंथ के सुंदरकांड का पाठ कई लोग रोज करते हैं। विनय पत्रिका और हनुमान चालीसा की रचना भी तुलसीदास ने की थी।

शिवजी के कहने पर लिखा श्रीरामचरित मानस

माना जाता है कि तुलसीदासजी को सपने में आकर शिवजी ने आदेश दिया कि तुम अपनी भाषा में काव्य रचना करो। मेरे आशीर्वाद से तुम्हारी रचना सामवेद की तरह फलवती होगी। ये सपना देख वो जाग गए। इसके बाद संवत 1631 को रामनवमी के दिन वैसा ही योग बना जैसा त्रेतायुग में रामजन्म के वक्त था। उस दिन सुबह तुलसीदासजी ने श्रीरामचरितमानस लिखना शुरू की थी।

966 दिन में लिखा रामचरितमानस

गोस्वामीजी ने संवत 1631 में रामचरित मानस लिखनी शुरू की थी। संवत 1633 के अगहन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी पर ये ग्रंथ पूरा हो गया। यानी इसे पूरा करने में 2 साल 7 माह और 26 दिन का समय लगा था। कहा जाता है कि रचना पूरी होते ही तुलसीदास जी ने सबसे पहले ये ग्रंथ शिवजी को अर्पित किया। फिर इसे लेकर तुलसीदासजी काशी गए और ये पुस्तक भगवान विश्वनाथ के मंदिर में रख दी। माना जाता है कि सुबह उस पर सत्यं शिवं सुंदरम लिखा हुआ था।

मान्यता: श्रीराम और हनुमानजी ने दिए थे तुलसीदासजी को दर्शन

ऐसा माना जाता है कि तुलसीदासजी को भगवान श्रीराम और हनुमानजी ने दर्शन दिए थे। जब तुलसीदास जी तीर्थ यात्रा पर काशी गए तो राम नाम जप करते रहे। इसके बाद हनुमानजी ने उन्हें दर्शन दिए। इसके बाद उन्होंने हनुमानजी से भगवान राम के दर्शन की प्रार्थना की। हनुमान जी ने बताया कि चित्रकूट में श्रीराम मिलेंगे। इसके बाद मौनी अमावस्या पर्व पर तुलसीदास जी को चित्रकूट में भगवान राम के दर्शन हुए।

सफलता के लिए रामचरितमानस से लें सीख

कहा जाता है कि व्यक्ति को छोटी-छोटी खुशियों में भी संतुष्ट रहना आना चाहिए लेकिन कभी भी सफलता प्राप्त करने पर अहंकार में नहीं आना चाहिए। क्योंकि जो लोग तरक्की मिलने पर उसके मद में चूर होकर अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं वह उनकी सबसे बड़ी भूल होती है। छोटी-छोटी सफलताओं के बाद भी लगातार जो व्यक्ति अपने लक्ष्य के लिए कार्य करता रहता है। वही जीवन में आगे बढ़ता है रामचरितमानस की कथा इस बात का सही उदाहरण है...

रामचरितमानस के अनुसार, जब रावण द्वारा सीता के अपहरण के बाद रामजी और भ्राता लक्ष्मण उन्हें इधर-उधर खोज रहे थे तब हनुमानजी से उनकी भेंट हुई और हनुमान जी ने ही उनकी मुलाकात राजा सुग्रीव से करवाई थी। उस समय सुग्रीव अपने बड़े भाई बाली द्वारा राज्य से निकाल दिया गया था। वहीं सुग्रीव की पत्नी रोमा को भी बाली अपने पास ही रख लिया था।तब दुखी सुग्रीव को राम जी ने मदद करने का विश्वास दिलाया। अपने वचन के अनुसार भगवान राम ने बाली का वध करके सुग्रीव को फिर से किष्किंधा का राजा बना दिया। सुग्रीव को कई सालों बाद पत्नी और राज्य का सुख मिला। उस समय वर्षा ऋतु का आरंभ भी हो चुका था। वर्षा ऋतु समाप्त होने तक प्रभु राम और भ्राता लक्ष्मण दोनों ने एक पर्वत पर गुफा में निवास किया। साथ ही राम जी इस बात के इंतजार में थे कि सुग्रीव आकर सीता की खोज में उनकी मदद करेंगे। लेकिन राज्य के सुख में डूबा हुआ सुग्रीव इस बात को भूल गया कि उसे भगवान राम के पास जाना है। कई दिन बीतने के बाद राम जी ने खुद लक्ष्मण को सुग्रीव के पास भेजा।

तब लक्ष्मण जी ने सुग्रीव को अपना क्रोध प्रकट करते हुए इस बात का एहसास दिलाया कि वह सुख-सुविधाओं के मद में चूर होकर कितनी बड़ी भूल कर बैठा है। इस बात से शर्मिंदा कर उसने भगवान राम और लक्ष्मण जी से माफी मांगी। इसके बाद सीता जी की खोज शुरू कर दी। रामचरितमानस का यह प्रसंग इस बात की सीख देता है कि कभी भी अपनी सफलता को अपने सर नहीं चढ़ने देना चाहिए, वरना व्यक्ति अपने जीवन के सही मार्ग से भटककर बड़े लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाता।

युधिष्ठर को पूर्ण आभास था, कि कलयुग में क्या होगा ?

पाँचो पाण्डव एवं द्रोपदी जंगल मे छूपने का स्थान ढूंढ रहे थे। उधर शनिदेव की आकाश मंडल से पाण्डवों पर नजर पड़ी शनिदेव के मन विचार आया कि इन 5 में बुद्धिमान कौन है परीक्षा ली जाय। शनिदेव ने एक माया का महल बनाया कई योजन दूरी में उस महल के चार कोने थे, पूरब, पश्चिम, उतर, दक्षिण। अचानक भीम की नजर महल पर पड़ी और वो आकर्षित हो गया, भीम, यधिष्ठिर से बोला- भैया मुझे महल देखना है भाई ने कहा जाओ। भीम महल के द्वार पर पहुंचा वहाँ शनिदेव दरबान के रूप में खड़े थे, भीम बोला- मुझे महल देखना है !

शनिदेव ने कहा- महल की कुछ शर्त है।

1-शर्त महल में चार कोने हैं आप एक ही कोना देख सकते हैं।

2-शर्त महल में जो देखोगे उसकी सार सहित व्याख्या करोगे।

3-शर्त अगर व्याख्या नहीं कर सके तो कैद कर लिए जाओगे।

भीम ने कहा- मैं स्वीकार करता हूँ ऐसा ही होगा। और वह महल के पूर्व छोर की ओर गया । वहां जाकर उसने अद्भूत पशु पक्षी और फूलों एवं फलों से लदे वृक्षों का नजारा देखा, आगे जाकर देखता है कि तीन कुंए है अगल-बगल में छोटे कुंए और बीच में एक बडा कुआ। बीच वाला बड़े कुंए में पानी का उफान आता है और दोनों छोटे खाली कुओं को पानी से भर देता है। फिर कुछ देर बाद दोनों छोटे कुओं में उफान आता है तो खाली पड़े बड़े कुंए का पानी आधा रह जाता है इस क्रिया को भीम कई बार देखता है पर समझ नहीं पाता और लौटकर दरबान के पास आता है।

दरबान : क्या देखा आपने ?

भीम- महाशय मैंने पेड़ पौधे पशु पक्षी देखा वो मैंने पहले कभी नहीं देखा था जो अजीब थे। एक बात समझ में नहीं आई छोटे कुंए पानी से भर जाते हैं बड़ा क्यों नहीं भर पाता ये समझ में नहीं आया।

दरबान : आप शर्त के अनुसार बंदी हो गये हैं और बंदी घर में बैठा दिया।

अर्जुन आया बोला- मुझे महल देखना है, दरबान ने शर्त बता दी और अर्जुन पश्चिम वाले छोर की तरफ चला गया। आगे जाकर अर्जुन क्या देखता है।

क खेत में दो फसल उग रही थी एक तरफ बाजरे की फसल दूसरी तरफ मक्का की फसल। बाजरे के पौधे से मक्का निकल रही तथा मक्का के पौधे से बाजरी निकल रही। अजीब लगा कुछ समझ नहीं आया वापिस द्वार पर आ गया।

दरबान ने पूछा क्या देखा,

अर्जुन बोला महाशय सब कुछ देखा पर बाजरा और मक्का की बात समझ में नहीं आई।

दरबान ने कहा शर्त के अनुसार आप बंदी हैं।

नकुल आया बोला मुझे महल देखना है। फिर वह उत्तर दिशा की और गया वहाँ उसने देखा कि बहुत सारी सफेद गायें जब उनको भूख लगती है तो अपनी छोटी बछियों का दूध पीती है उसे कुछ समझ नहीं आया द्वार पर आया।

दरबान ने पूछा क्या देखा ?

नकुल बोला महाशय गाय बछियों का दूध पीती है यह समझ नहीं आया तब उसे भी बंदी बना लिया।

सहदेव आया बोला मुझे महल देखना है और वह दक्षिण दिशा की और गया अंतिम कोना देखने के लिए क्या देखता है वहां पर एक सोने की बड़ी शिला एक चांदी के सिक्के पर टिकी हुई डगमग डोले पर गिरे नहीं छूने पर भी वैसे ही रहती है समझ नहीं आया वह वापिस द्वार पर आ गया और बोला सोने की शिला की बात समझ में नहीं आई तब वह भी बंदी हो गया।

चारों भाई बहुत देर से नहीं आये तब युधिष्ठिर को चिंता हुई वह भी द्रोपदी सहित महल में गये। भाइयों के लिए पूछा तब दरबान ने बताया वो शर्त अनुसार बंदी है।

युधिष्ठिर बोला भीम तुमने क्या देखा ? भीम ने कुऐं के बारे में बताया

तब युधिष्ठिर ने कहा- यह कलियुग में होने वाला है एक बाप दो बेटों का पेट तो भर देगा परन्तु दो बेटे मिलकर एक बाप का पेट नहीं भर पायेंगे। भीम को छोड़ दिया।

अर्जुन से पुछा तुमने क्या देखा ? उसने फसल के बारे में बताया

युधिष्ठिर ने कहा- यह भी कलियुग में होने वाला है। वंश परिवर्तन अर्थात ब्राह्मण के घर शूद्र की लड़की और शूद्र के घर बनिए की लड़की ब्याही जायेंगी। अर्जुन भी छूट गया।

नकुल से पूछा तुमने क्या देखा तब उसने गाय का वृतान्त बताया।

तब युधिष्ठिर ने कहा- कलियुग में माताऐं अपनी बेटियों के घर में पलेंगी बेटी का दाना खायेंगी और बेटे सेवा नहीं करेंगे। तब नकुल भी छूट गया।

सहदेव से पूछा तुमने क्या देखा, उसने सोने की शिला का वृतांत बताया,

तब युधिष्ठिर बोले- कलियुग में पाप धर्म को दबाता रहेगा परन्तु धर्म फिर भी जिंदा रहेगा खत्म नहीं होगा।

आज के कलयुग में यह सारी बातें सच साबित हो रही है ।।

लोकसभा चुनाव में भाजपा 370 की संख्या पार करेगी : प्रधानमंत्री मोदी

'कांग्रेस को केवल चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं'

मोदी मध्य प्रदेश में 7,550 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

दर्पण न्यूज सर्विस
झाबुआ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीट का आंकड़ा पार कर जाएगी और इतना ही नहीं, संसद में विपक्षी नेता भी कह रहे हैं कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से अधिक सीट मिलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश में 7,550 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद झाबुआ जिले में आदिवासी समुदाय के सदस्यों की एक जनसभा संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से आगामी चुनाव में भाजपा को लोकसभा की 543 में से 370 सीट जीताने के लिए पिछले तीन चुनावों में प्रत्येक बूथ पर पार्टी को मिले सबसे अधिक मत की तुलना में 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतना ही नहीं संसद में विपक्षी नेता भी अब राजग के लिए 'अबकी बार 400 पार' बात कह रहे हैं। मोदी ने कहा, 'मुझे यकीन है कि भाजपा का कमल चुनाव चिह्न निश्चित रूप से अपने दम पर 370 का आंकड़ा पार कर जाएगा।' प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव को लेकर प्रचार करने के लिए झाबुआ नहीं आए हैं, बल्कि हालिया विधानसभा चुनावों में मध्य प्रदेश में मिले जबरदस्त समर्थन के लिए लोगों को धन्यवाद देने के खातिर एक 'सेवक' के रूप में आए हैं। भाजपा ने हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की है। जनसभा को संबोधित करने से पहले शुरू की गई 7,550 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'हमारी 'डबल इंजन' सरकार मध्य प्रदेश में दोगुनी गति से काम कर रही है।' लंबे समय तक गरीबों, किसानों और आदिवासियों की अनदेखी करने को लेकर प्रधानमंत्री ने विपक्षी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को केवल चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'कांग्रेस जब सत्ता में रहती है तो लोगों को लूटने का काम करती है और जब सत्ता से बाहर होती है तो लोगों को लड़वाने का काम करती है। लूट और फूट कांग्रेस का ऑक्सीजन है।' उन्होंने कहा, 'हमने वोट के लिए नहीं, बल्कि आदिवासियों के स्वास्थ्य को लेकर सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान शुरू किया है।' केंद्र ने पिछले साल राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 शुरू किया था, जिसका उद्देश्य, विशेष रूप से आदिवासी आबादी के बीच सिकल सेल रोग से उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करना है।

कांग्रेस को सिर्फ चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

झाबुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार आदिवासियों के हितों के लिए काम कर रही है, जबकि विपक्षी कांग्रेस को सिर्फ चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं। प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में आदिवासी समुदाय के लोगों की एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कुछ ही महीनों में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले इस साल प्रधानमंत्री मोदी की मध्य प्रदेश की यह पहली यात्रा है। उन्होंने कहा, 'हमने वोट के लिए नहीं, बल्कि आदिवासियों के स्वास्थ्य को लेकर सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान शुरू किया है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को केवल चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'कांग्रेस जब सत्ता में रहती है तो लोगों को लूटने का काम करती है और जब सत्ता से बाहर होती है तो लोगों को लड़वाने का काम करती है।' उन्होंने कहा, 'लूट और फूट कांग्रेस का ऑक्सीजन है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां तक कि संसद में विपक्षी नेता भी अब सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए 'अबकी बार 400 पार' बात कह रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'कमल' चिह्न 370 से ज्यादा सीट जीतेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं झाबुआ में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने नहीं, बल्कि आपका सेवक बनकर आया हूं। हमारी डबल इंजन सरकार मध्य प्रदेश में दोगुनी गति से काम कर रही है।' प्रधानमंत्री मोदी ने मतदाताओं से भाजपा को 370 लोकसभा सीट जीतने के लिए पिछले चुनाव की तुलना में प्रत्येक बूथ पर 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा।

भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली समय की मांग है: प्रधानमंत्री मोदी

टंकारा (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली समय की मांग है। मोदी ने आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के मोरबी जिले में उनके जन्मस्थल टंकारा में आयोजित एक कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने समाज सुधारक दयानंद सरस्वती की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने उस समय भारतीय समाज से वेदों की ओर लौटने का आह्वान किया था जब लोग गुलामी में जकड़े हुए थे और देश में अंधविश्वास फैला हुआ था। उन्होंने कहा, 'स्वामी दयानंद सरस्वती ने उस समय हमें यह दिखाया कि हमारी रूढ़ियों और सामाजिक बुराइयों ने हमें किस प्रकार नुकसान पहुंचाया है।' उन्होंने कहा, 'भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था समय की मांग है। आर्य समाज विद्यालय इसका केंद्र रहे हैं। देश अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से इसका विस्तार कर रहा है। इन प्रयासों से समाज को जोड़ना हमारा दायित्व है।' उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म उस समय हुआ था जब भारतीय लोग गुलामी और सामाजिक कुरीतियों में जकड़े हुए थे। मोदी ने कहा, 'स्वामी दयानंद जी ने उस समय देश को बताया कि कैसे हमारी रूढ़ियों और अंधविश्वासों ने देश को अपनी चपेट में ले लिया है और हमारे वैज्ञानिक चिंतन को कमजोर कर दिया है। इन सामाजिक बुराइयों ने हमारी एकता पर प्रहार कर दिया था।' उन्होंने कहा, 'समाज का एक वर्ग भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से लगातार दूर होता जा रहा था। ऐसे समय में स्वामी दयानंद जी ने वेदों की ओर लौटने का आह्वान किया।' मोदी ने कहा कि महर्षि दयानंद 'न केवल एक वैदिक ऋषि थे, बल्कि राष्ट्र चेतना के ऋषि' भी थे। उन्होंने कहा, 'जब अंग्रेजी हुकूमत ने हमारी सामाजिक बुराइयों को मोहरा बनाकर हमारे लोगों को नीचा दिखाने की कोशिश की और कुछ लोग सामाजिक बुराइयों का हवाला देकर उनके शासन को उचित ठहराते थे, तब दयानंद सरस्वती के आने से ऐसे साजिशों को गहरा धक्का लगा।' उन्होंने कहा कि आर्य समाज के संस्थापक ने वेदों की तार्किक व्याख्या की, रूढ़ियों पर खुलकर हमला किया और यह बताया कि भारतीय दर्शन का वास्तविक स्वरूप क्या है। मोदी ने कहा, 'इसका परिणाम यह हुआ कि समाज में आत्मविश्वास लौटने लगा। लोग वैदिक धर्म को जानने लगे और उसकी जड़ों से जुड़ने लगे।' उन्होंने कहा कि लाला लाजपत राय, राम प्रसाद बिस्मिल और स्वामी श्रद्धानंद जैसे कई क्रांतिकारी खड़े हुए, जो आर्य समाज से प्रभावित थे।

कतर की परियोजनाओं में करीब 750 करोड़ रुपये फंसे: वोल्टास

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

टाटा समूह की कंपनी वोल्टास को कतर में एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रदीप बख्शी ने कहा कि बकाया मिलने और निष्पादन समयसीमा में देरी के कारण लगभग 750 करोड़ रुपये फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ परियोजनाओं में ठेकेदारों की बैंक गारंटी को "अनैतिक रूप से" भुनाया गया। इससे दिसंबर तिमाही में टाटा समूह की कंपनी के अंतरराष्ट्रीय परियोजना व्यवसाय को नुकसान हुआ। बख्शी ने पीटीआई-भाषा को बताया, "उस क्षेत्र में, विशेष रूप से कतर में, उम्मीद के विपरीत चीजें हो रही हैं। वहां दुर्भाग्य से, हमें समय पर हमारा बकाया भुगतान नहीं किया जा रहा है, और अत्यधिक देरी हो रही है। हमने परियोजना पूरी कर ली है और इसे सौंप दिया है, और इसके बावजूद भुगतान नहीं हो रहा है।" वोल्टास ने पहले ही इस मुद्दे पर मदद के लिए भारत सरकार से संपर्क किया है और कतर में दूतावास से भी संपर्क किया है। वोल्टास कतर में एमईपी (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग) ठेकेदार है। उसने वहां परियोजनाएं पूरी कर ली हैं और अनुबंध के अनुसार उन्हें सौंप दिया है। इसके बावजूद कंपनी को भुगतान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "जब आप अपने साझेदारों के साथ व्यापार करते हैं तो कुछ बुनियादी नैतिकताएं होनी चाहिए... दुर्भाग्य से, हमें भुगतान नहीं किया जा रहा है।" बख्शी ने कहा कि कुल बकाया 750 करोड़ रुपये के करीब है। बैंक गारंटी में 375 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया गया है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर परियोजनाएं पिछली छह से सात तिमाहियों में पूरी हुई हैं, और वोल्टास को इस वजह से भारी घाटा हो रहा है।

मंत्रियों और सरकारी कर्मचारियों को सब्सिडी वाली बिजली नहीं : हिमंत

गुहावटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य के मंत्रियों, अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों को सब्सिडी वाली बिजली नहीं दी जाएगी। उन्होंने बिजली विभाग को निर्देश दिया कि मंत्रियों की कॉलोनी सहित सरकारी क्वार्टर में प्रीपेड मीटर लगाए जाएं। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी कि हालिया संवाद के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन से बहुत ही मामूली राशि बिजली बिल के मद में काटी जाती है। उन्होंने कहा, 'तत्काल, मैंने विभाग को निर्देश दिया कि मंत्रियों की कॉलोनी सहित सभी सरकारी क्वार्टर में प्रीपेड मीटर लगाए जाएं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 'किसी भी मंत्री, अधिकारी या सरकारी कर्मचारी को सब्सिडी पर बिजली नहीं मिले'।

कुछ नेताओं के पाला बदलने से 'इंडिया' पर असर नहीं पड़ेगा: पायलट

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली/रायगढ़

'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कुछ घटक दलों के पाला बदलकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के बीच कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'मजबूत' है और इसकी सामूहिक ताकत से चिंतित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजनीतिक परिदृश्य में 'उन्मत्त बदलाव' लाने की कोशिश कर रही है। पायलट ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि उनके (बनर्जी के) साथ सीट-बंटवारे को लेकर बातचीत के दौरान आगे का कोई रास्ता निकलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा स्वयं को 370 सीट और राजग को 400 से अधिक सीट मिलने का दावा कर रही है, जो जमीनी स्तर पर व्यावहारिक आकलन के बजाय 'डींग हांकने वाला बयान और शब्दाडम्बर' है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' छत्तीसगढ़ से गुजर रही है। ऐसे में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की छत्तीसगढ़ इकाई के प्रभारी महासचिव ने इन बातों को खारिज कर दिया कि यह यात्रा पार्टी की चुनावी तैयारियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। पायलट ने कहा, 'यात्रा जारी है और अन्य चीजें एआईसीसी नेतृत्व और राज्य प्रभारी संभाल रहे हैं। इन सभी बैठकों और बातचीत पर कांग्रेस अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन खरगे) खुद नजर रख रहे हैं।' उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि हम एकजुट होकर लड़ें।'

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आईईडी विस्फोट, सीएएफ का जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए एक आईईडी में रविवार को विस्फोट हो जाने से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) का एक जवान घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, जिले में डुमरीपालनार और तिमेनार गांवों के बीच स्थित विस्फोट स्थल से पांच किलोग्राम वजन वाले तीन 'प्रेशर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) भी बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि यह विस्फोट सुबह करीब नौ बजे हुआ, जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम इलाके में गश्त पर निकली थी। उन्होंने बताया कि सीएएफ का एक जवान आईईडी के संपर्क में आ गया, जिससे विस्फोट हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'विस्फोट में, जवान के पैर में चोट लगी और उसे नेलसनार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे दंतेवाड़ा जिला अस्पताल भेज दिया गया।' उन्होंने कहा कि घायल जवान को बेहतर इलाज के लिए हवाई मार्ग से रायपुर ले जाया जाएगा।

अल-शबाब ने सोमालिया की राजधानी में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली

दुबई। अल-कायदा से संबद्ध आतंकवादी समूह अल-शबाब ने सोमालिया की राजधानी में एक सैन्य अड्डे पर शनिवार को हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इस हमले में, सैन्य अड्डे पर एक प्रशिक्षण मिशन पर आए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तीन सैनिकों और बहरीन के एक सैन्य अधिकारी की मौत हो गई थी। यह हमला शनिवार को मोगादिशु में जनरल गॉर्डन सैन्य अड्डे पर सैनिकों को निशाना बनाकर किया गया। हमले का विवरण और इसमें और किसी के मारे जाने की जानकारी नहीं है। सोमालिया के राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद ने हमले में यूएई के सैनिकों की मौत होने को लेकर देश के लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। यूएई की आधिकारिक डब्ल्यूएएम समाचार एजेंसी ने रविवार सुबह 'आतंकवादी कृत्य' में अपने तीन सैनिकों और बहरीन के सैनिक की मौत की खबर जारी की। उसने हालांकि, और विवरण नहीं दिया। खबर के अनुसार, हमले में दो अन्य लोग घायल हो गए।

दिल्ली हवाई अड्डे पर इंडिगो का विमान 'टैक्सीवे' से आगे बढ़ा, रनवे 15 मिनट रहा बाधित

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

अमृतसर से इंडिगो का एक विमान रविवार सुबह दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद निकास 'टैक्सीवे' को पार कर गया। इसके कारण एक रनवे 15 मिनट से कुछ अधिक समय के लिए बाधित हो गया और उड़ान संचालन प्रभावित हुआ। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमृतसर से दिल्ली जा रहा विमान कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद टैक्सीवे से बाहर निकलने से चूक गया। 'टैक्सीवे' हवाई अड्डे पर विमानों के लिए एक रास्ता होता है जो रनवे को एप्रन, हैंगर, टर्मिनल और अन्य सुविधाओं से जोड़ता है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि निर्दिष्ट टैक्सीवे से चूकने के बाद उड़ान संख्या 6ई 2221 का संचालन करने वाला ए320 विमान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर रनवे 28/10 के अंतिम छोर पर चला गया। सूत्रों ने बताया कि विमान सुबह करीब साढ़े आठ बजे रनवे 28/10 पर उतरा लेकिन निर्धारित टैक्सीवे से बाहर नहीं निकल सका। सूत्रों ने बताया कि इसके परिणामस्वरूप रनवे 15 मिनट से कुछ अधिक समय तक अवरुद्ध रहा। उन्होंने कहा कि विमान को एक ट्रैक्टर की मदद से पार्किंग क्षेत्र में ले जाया गया जिसके बाद रनवे पर सामान्य संचालन शुरू हो सका। एक सूत्र ने कहा कि विमान के हवाई अड्डे पर उतरने के बाद, एक हवाई यातायात नियंत्रक ने पायलट को 'टैक्सीवे के6' पर रनवे खाली करने के लिए कहा। सूत्र ने बताया हालांकि कम दृश्यता के कारण विमान टैक्सीवे पर नहीं जा सका। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि दृश्यता कम होने के कारण विमान टैक्सीवे से बाहर नहीं निकल पाया।

कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू धनशोधन के मामले में लगातार दूसरे दिन ईडी के सामने हुए पेश

रांची। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू धनशोधन के एक मामले में रविवार को लगातार दूसरे दिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। साहू अपराह्न करीब तीन बजे रांची स्थित ईडी के कार्यालय में दाखिल हुए। ईडी के अधिकारियों ने कथित भूमि धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के मामले में शनिवार को साहू से करीब 11 घंटे तक पूछताछ की थी। इसी मामले में एजेंसी ने हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने कहा था, 'साहू को फिर से पूछताछ के लिए ईडी के अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है क्योंकि पूछताछ अभी पूरी नहीं हुई है।' उन्होंने बताया कि ईडी की योजना साहू का बयान उनके सोरेन के साथ कथित संबंध और पिछले महीने तलाशी के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष के दिल्ली स्थित आवास में मिले लग्जरी कार के बारे में बयान दर्ज करने की है।

बिहार में लोकसभा चुनाव के दौरान वोट पाने के लिए कपूर्री ठाकुर को दिया भारत रत्न : उद्धव

दर्पण न्यूज सर्विस
मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने रविवार को दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार से वोट हासिल करने के लिए नरेन्द्र मोदी की सरकार ने कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया है। शिवसेना के यहां एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जन संघ ने सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) को 26 प्रतिशत आरक्षण देने के ठाकुर के फैसले का विरोध किया था।

उन्होंने कहा, 'लेकिन अब भाजपा लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार से वोट हासिल करना चाहती है, इसलिए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है। मुझे खुशी है कि उनके (ठाकुर के) काम को इतने सालों के बाद मान्यता दी जा रही है।' ठाकरे ने आगे कहा कि भाजपा ने डॉ.एम.एस. स्वामीनाथन के नाम को भारत रत्न के लिए नामित किया है लेकिन उनकी अध्यक्षता में गठित आयोग द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के लिए की गई सिफारिशों को लागू करने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि जनता इस खोखलेपन को देख रही है। केंद्र सरकार ने इस साल पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी.नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, कृषि वैज्ञानिक और भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एम.एस.स्वामीनाथन, समाजवादी नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता लाल कृष्ण अडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है।

भदोही भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या की

दर्पण न्यूज सर्विस
भदोही (उप्र)

उत्तर प्रदेश के भदोही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा की जिला महामंत्री ने कथित तौर पर कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। नगर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अजय कुमार चौहान ने बताया कि पुलिस को शनिवार की देर शाम पता चला कि शहर कोतवाली इलाके के कंसराय पुर निवासी मदन गौतम की पत्नी सविता गौतम (45) अपने घर के पास बनी एक झोपड़ी में अचेतावस्था में मिलीं। चौहान ने बताया कि महिला के परिजन पास के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद परिजन शव को घर लेकर आ गए। सीओ के अनुसार, इस सूचना पर पुलिस ने घर से शव को अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने पूछताछ में मिली जानकारी के हवाले से बताया कि अक्सर पति-पत्नी के बीच विवाद होता रहता था। चौहान ने बताया कि सरिता अपनी बेटी को शनिवार देर शाम चिकित्सक को दिखाकर लौटीं थीं और काफी देर बाद उन्हें परिजन खोजते हुए कबाड़ रखने के लिए बनी झोपड़ी में गए तो उन्हें अचेतावस्था में पाया था। उन्होंने बताया कि मृतका की जैकेट से हाथ से लिखा एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है, 'मैं अब जीना नहीं चाहती हूं और खुद यह कदम उठा रही हूं। इसके लिए कोई दोषी नहीं है और किसी को परेशान न किया जाए।" सीओ ने बताया कि मौके पर देर रात फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसकी विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। पुलिस ने आत्महत्या से पहले लिखे गये पत्र की 'हैंडराइटिंग एक्सपर्ट' से जांच कराने को भी कहा है।

संबोधन | **12वीं सदी के समाज सुधारक और दार्शनिक बसवेश्वर को श्रद्धांजलि दी**

मोदी ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर सम्मान दिलाने का काम किया : शाह

दर्पण न्यूज सर्विस
मैसुरु (कर्नाटक)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और अन्य महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों के पुनरुद्धार का हवाला देते हुए रविवार को भारत की सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर सम्मान दिलाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। मैसुरु के समीप 'सुत्तूर जात्रा' (मेला) समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने योग, आयुर्वेद और भारतीय भाषाओं के संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ ही देश को सुरक्षित और समृद्ध बनाने के लिए मोदी की प्रशंसा की। शाह ने कहा, 'नरेन्द्र मोदी ने देश की सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर सम्मान दिलाने का काम किया है। मोदी जी ने अयोध्या के राम मंदिर, काशी में काशी विश्वनाथ गलियारा, महाकाल गलियारा (उज्जैन में महाकाल लोक गलियारा) और केदारनाथ एवं बद्रीनाथ जैसे सांस्कृतिक केंद्रों के पुनरुद्धार के लिए काम किया है।' मैसुरु जिले के नंजनगुड तालुक में कपिला नदी के किनारे स्थित सुत्तूर मठ राज्य में प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में से एक है जो वीरशैव/लिंगायत आस्था का प्रचार करता है। इस कार्यक्रम में सुत्तूर मठ के जगद्गुरु श्री शिवरात्रि देशीकेंद्र महास्वामीजी, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र भी उपस्थित रहे। शाह ने अयोध्या में सुत्तूर मठ की एक शाखा खोलने का फैसला करने और वहां काम शुरू करने के लिए श्री शिवरात्रि देशीकेंद्र महास्वामीजी की प्रशंसा की। उन्होंने 12वीं सदी के समाज सुधारक और दार्शनिक बसवेश्वर को श्रद्धांजलि देते हुए समाज के कल्याण में सुत्तूर मठ और उसके संतों के योगदान को भी स्वीकार किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'मैं महास्वामीजी को बताना चाहता हूं कि मैं और भाजपा का हरेक कार्यकर्ता समाज में सुत्तूर मठ के योगदान को हमेशा सम्मान देंगे और आने वाले दिनों में इसे लोगों के बीच ले लाने के प्रयासों को हर तरीके से समर्थन देंगे।' अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में 'रामलला' की मूर्ति बनाने वाले मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज को इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त-समाचार

ब्रिटेन में भारतीय व्यक्ति ने पत्नी की हत्या का जुर्म कबूल किया

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन के दक्षिणी हिस्से में स्थित एक आवास में पिछले साल अपनी पत्नी की हत्या करने का जुर्म उसके पति ने कबूल कर लिया है। वे दोनों भारतीय नागरिक हैं। महक शर्मा (19) की 29 अक्टूबर की शाम हत्या करने के संदेह में साहिल शर्मा (24) को उनके क्रोयिडन स्थित ऐश-ट्री-वे स्थित मकान से गिरफ्तार किया गया था। शर्मा को किंगस्टन क्राउन कोर्ट में बृहस्पतिवार को पेश किया गया, जहां उसने महक की हत्या का जुर्म कबूल कर लिया। अदालत अब इस मामले में 26 अप्रैल को सजा सुनाएगी। महानगर पुलिस की अपराध विशेषज्ञ कमान की जांच निरीक्षक लॉरा सेम्पली ने बताया, 'साहिल शर्मा के कृत्य ने एक परिवार को तबाह कर दिया। उसने अपनी पत्नी की हत्या करके उसके परिवार से उसकी प्यारी बेटी छीन ली है और इसके पीछे की वजह वही जानता है।' उन्होंने कहा, 'महक की हत्या उसी के घर में की गई जहां उसे सबसे अधिक सुरक्षित होना चाहिए था, और ऐसे व्यक्ति द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया जिसे उससे प्यार करना चाहिए और उसकी रक्षा करनी चाहिए। मेरी संवेदनाएं मृतका के परिवार के प्रति है।' महक की 29 अक्टूबर को हत्या की गई थी। पुलिस ने 31 अक्टूबर 2023 को महक के शव का पोस्टमॉर्टम कराया, जिसमें उसकी गला घोंटकर हत्या करने का खुलासा हुआ।

'कन्यादान योजना' के तहत सहायता राशि को बढ़ाकर 25,000 रुपये किया जाएगा: मुख्यमंत्री

पालघर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि राज्य सरकार की 'कन्यादान योजना' के तहत वित्तीय सहायता 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को विवाह के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री शिंदे ने शनिवार को पालघर में एक सभा के दौरान कहा कि इस संबंध में एक सरकारी प्रस्ताव जल्द ही जारी किया जाएगा।

नवी मुंबई में पत्नी पर तेजाब फेंकने के आरोप में व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे। झगड़े के बाद पत्नी पर तेजाब फेंकने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ नवी मुंबई पुलिस ने एक मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 326 (ए) के तहत एक मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी रमजान सिद्दीकी गाजी ने 20 जनवरी को पनवेल स्थित अपने घर पर अपनी पत्नी अमीना खातून (28) पर एक बहस के बाद कथित तौर पर तेजाब फेंक दिया। उन्होंने कहा कि अमीना का चेहरा जल गया है और उसका पश्चिम बंगाल में उसके गृहनगर में उपचार किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर की जेल में सजायाफ्ता कैदी की इलाज के दौरान मौत

सुलतानपुर (उप्र)। सुलतानपुर के जिला कारागार में एक सजायाफ्ता कैदी की रविवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गयी। कारागार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कारागार अधीक्षक एके गौतम ने बताया कि अमेठी जिले के मुसाफिरखाना का निवासी तौफीक (77) हत्या के मामले में दोषी ठहराये जाने के बाद से सुलतानपुर के जिला कारागार में बंद था और लंबे समय से सांस की बीमारी से ग्रस्त था। उन्होंने बताया कि सुलतानपुर मेडिकल कॉलेज में रविवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। नगर कोतवाल श्रीराम पांडे ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' छत्तीसगढ़ में फिर से शुरू

रायगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' दो दिन के विराम के बाद रविवार को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में फिर से शुरू हुई। राहुल ने यहां गांधी चौक पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और इसके बाद यात्रा जिले में खरसिया विधानसभा क्षेत्र के लिए रवाना हुई। गांधी चौक पर कांग्रेस नेताओं और समर्थकों का भारी हुजूम उमड़ा और लोग राहुल गांधी के साथ चले। राहुल कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश पार्टी प्रमुख दीपक बैज और विधानसभा में विपक्ष के नेता चरण दास महंत के साथ एक खुली जीप में सवार थे। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने यहां बताया कि यात्रा ओडिशा से बृहस्पतिवार को रायगढ़ पहुंची थी और दो दिन के विराम के बाद रविवार दोपहर को यह फिर से शुरू हुई। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से शिकस्त मिलने के बाद इस यात्रा से पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। इस यात्रा ने बृहस्पतिवार को छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर रायगढ़ जिले में रेंगालपाली जांच चौकी पर राज्य में प्रवेश किया था और राहुल गांधी ने वहां एक जनसभा को संबोधित किया था। राहुल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि सत्तारूढ़ पार्टी के दो सूत्री कार्यक्रम हैं -अन्याय को बढ़ावा देना और नफरत तथा हिंसा फैलाना। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा और दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले परिवार में नहीं हुआ, क्योंकि उनकी जाति 'घांची' को गुजरात की भाजपा सरकार ने 2000 में ओबीसी में शामिल किया था। यह यात्रा 14 फरवरी को झारखंड में प्रवेश करने से पहले रायगढ़, सक्ती, कोरबा, सूरजपुर, सरगुजा और बलरामपुर जिलों से गुजरते हुए छत्तीसगढ़ में 536 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

सात वर्षीय बच्ची की दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या

एटा (उप्र)। एटा जिले के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गाजीपुर पहोर गांव में कथित तौर पर सात वर्षीय बच्ची की दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने रविवार को बताया कि बच्ची का शव सरसों के खेत से बरामद किया गया है। घटना की सूचना पर वरिष्ठ अधीक्षक (एसएसपी) राजेश कुमार सिंह तथा अपर पुलिस अधीक्षक धनंजय कुशवाहा भी मौके पर पहुंच गए। एसएसपी सिंह ने बताया के शनिवार रात्रि साढ़े आठ बजे थाना कोतवाली देहात पुलिस को सात वर्षीय बच्ची के दोपहर 12 बजे से गायब होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम बनाकर मामले की तहकीकात के लिए श्वान दस्ते को बुलाया गया। खोजी कुत्ते की निशानदेही पर उक्त बच्ची के शव को गांव के पास स्थित एक सरसों के खेत से बरामद कर लिया गया।

आगामी बजट में किसान की आय बढ़ाने के लिए आएंगी नई योनजाएं : सुक्खू

मुख्यमंत्री बोले- किसान को सामर्थ्यवान व स्वावलम्बी बनाने के लिए कृषि को उद्योग के रूप में प्रोत्साहित कर रही प्रदेश सरकार

दर्पण न्यूज सर्विस

शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज शिमला के होटल पीटरहॉफ में प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि को उद्योग के रूप में प्रोत्साहित कर रही है ताकि किसानों को सामर्थ्यवान एवं स्वावलम्बी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर है, जिसमें कृषि व दुग्ध उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश सरकार आगामी बजट में किसानों की आय बढ़ाने के लिए नई योजनाएं ला रही है, ताकि पशुपालन और कृषि के बारे में समाज की सोच में सकारात्मक बदलाव आ सके। आगामी दो वर्षों में राज्य सरकार के इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती में किसानों का भविष्य है, जिसमें पशुपालन की भूमिका अहम है क्योंकि कृषि व दूध उत्पादन का सीधा आपसी संबंध है। उन्होंने कहा कि किसानों के हाथ में पैसा पहुंचे, इसके लिए नीतियों व नियमों में मूलभूत परिवर्तन किए जा रहे हैं। वर्तमान राज्य सरकार जन सहयोग से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है और कृषि में क्रांतिकारी परिवर्तन के दृष्टिगत पशुपालन को विशेष रूप से बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दूध खरीद के मूल्य में छह रुपए की बढ़ौतरी राज्य सरकार की ओर से पशुपालकों को निश्चित आय का आश्वासन है और इससे वे दुग्ध उत्पादन के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार दूध उत्पादकों को कर में रियायत देने पर भी विचार करेगी।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल में दूध की गुणवत्ता बेहतर है तथा इसमें और सुधार करते हुए बेहतर विपणन व्यवस्था से जोड़कर किसानों की आय में आशातीत बढ़ोतरी की जा सकती है। इसी दृष्टिकोण के साथ सरकार अब कृषि को रोजगार के रुप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि आज तक इस बारे में गम्भीरता से विचार नहीं किया। उन्होंने कहा, ह्यहमैं आपको स्वावलंबी बनाना चाहता हूं, ताकि किसान घर में बैठकर अपनी आय के साधन बढ़ा सके।किसानों को शोषण से बचाने और उन्हें उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने के लिए राज्य सरकार प्रभावी कदम उठा रही है। इन प्रयासों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। जब गांव के लोगों की आय बढ़ेगी, तभी हिमाचल प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा। इसके लिए हमें पुरानी परंपराओं और नई टेक्नोलॉजी को साथ लेकर चलना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की दुग्ध आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए दूध खरीद मूल्य को लागत मूल्य के आधार पर देने के लिए ह्यहिम गंगा योजनाह्न की शुरूआत इस वित वर्ष से कर दी गई है, जिसके लिए 500 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही जिला कांगड़ा के ढगवार में 1 लाख 50 हजार लीटर प्रतिदिन की क्षमता का दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया जाएगा, जिसकी क्षमता 3 लाख लीटर प्रतिदिन तक बढ़ाई जा सकती है। यह संयंत्र पूरी तरह से स्वचालित होगा जिस पर अनुमानित 226 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। संयंत्र की स्थापना के लिए भूमि स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बकरी के दूध और पहाड़ी गाय के दूध की खूबियों का भी अध्ययन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हिमाचल को 31 मार्च, 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा है। डीजल व पैट्रोल गाड़ियों पर निर्भरता कम की जा रही है और ई-व्हीकल को प्रमोट किया जा रहा है। राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट अप योजना के दूसरे चरण में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए किसानों की अनुपयोगी भूमि का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन में किया जाएगा। इस योजना के माध्यम से बेरोजगार युवा अपनी भूमि पर 100, 200, 500 किलोवाट का सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित कर पाएंगे तथा राज्य सरकार उनसे 25 वर्षों तक बिजली की खरीद कर, उन्हें निश्चित आय सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2027 तक अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और वर्ष 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ खुले संवाद सत्र में व्यापक चर्चा भी की और किसानों व अन्य हितधारकों से मिले सुझावों को राज्य सरकार की नीति में शामिल करने का आश्वासन भी दिया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने मिल्कफैड की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर सचिव कृषि, राकेश कंवर ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया, जबकि मिल्कफैड के प्रबंधक निदेशक डॉ. विकास सूद ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, कांग्रेस नेता चेत राम ठाकुर, उपायुक्त अनुपम कश्यप, पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी, निदेशक सूचना एवं जन संपर्क राजीव कुमार, निदेशक पशु पालन डॉ. प्रदीप शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एसएमसी शिक्षकों को पॉलिसी बनाकर तुरंत रेगुलर करें सरकार

- सरकार ने चुनाव में किए गए अपने वादों पर नहीं दिया ध्यानः हेटा
- कहा- शिक्षा विभाग में अब हुई भर्तियां पूरी तरह से पारदर्शी

दर्पण न्यूज सर्विस

शिमला

शिमला में भूख हड़ताल पर बैठे एसएमसी शिक्षकों के समर्थन में अब भारतीय मजदूर संघ भी उतर आया है। हिमाचल में सभी 2555 एसएमसी शिक्षक ने सरकार के सभी तय मापदंडों को पूरा करके ही विभिन्न स्कूलों में भर्ती हुए थे। आज तक जितनी भी शिक्षा विभाग में भर्तियां हुई है। एसएमसी शिक्षकों की भर्ती ही ऐसी है जो पूरी पारदर्शिता से हुई है।

भारतीय मजदूर संघ के प्रदेशाध्यक्ष यशपाल हेटा ने कहा है कि ज्यादातर शिक्षक जनजातीय क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जहां पर नियमित शिक्षक भी जाने के लिए कतराते है। ज्यादातर एसएमसी शिक्षक पिछली कांग्रेस की सरकार में भर्ती हुए हैं। कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने चुनाव के समय खुद बोला था कि एसएमसी शिक्षक हमारा लगाया पौधा है हम सत्ता में आते ही इनको पॉलिसी बनाकर रेगुलर करेंगे। काफी समय बीत जाने के बाद भी सरकार ने इनके लिए अभी तक कोई भी स्थाई पॉलिसी नहीं बनाई है। सरकार को एक साल से ऊपर का समय हो चुका है। इन शिक्षकों को अभी भी भूख हड़ताल पर बैठना पड़ रहा है। स्कूल खुल चुके हैं और कुछ स्कूल सोमवार से खुलने हैं। शिक्षकों की स्कूलों में वैसे ही भारी कमी है। भारतीय मजदूर संघ ने सरकार से मांग की है की एसएमसी शिक्षकों के लिए स्थाई पॉलिसी बनाकर इन्हें तुरंत रेगुलर किया जाए।

राष्ट्र निर्माण में नाहन महाविद्यालय से निकले अनमोल रत्नों की महत्वपूर्ण भूमिका: हर्षवर्धन चौहान

दर्पण न्यूज सर्विस

नाहन

नाहन स्नातकोत्तर महाविधालय प्रदेश का सबसे पुराना तथा ऐतिहासिक कॉलेज है इस महाविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने के उपरांत निकले अनमोल मोती राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। यह वक्तव्य उद्योग, श्रम एवं रोजगार तथा संसदीय मामले मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने आज यहाँ पूर्व छात्र संघ को आयोजित अभिनंदन समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि नाहन महाविद्यालय 1963 में आरंभ हुआ तथा यह अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण कर अपना पहला अभिनंदन समारोह का आयोजन कर रहा है। जिससे इस महाविद्यालय से निकले 50 से अधिक अनमोल रतन तथा प्राचार्यो को सम्मानित कर रहा है

जिन्होंने इस विद्या के मंदिर से शिक्षा ग्रहण कर अपने अपने क्षेत्रों में उच्च स्थान हासिल कर उत्कृष्टता की नीव रखी। उन्होंने सम्मानित होने वाली विभूतियों को कड़ी मेहनत समर्पण, निस्वार्थ सेवा भाव तथा राष्ट्र निर्माण में उनके द्वारा दी गई सेवाओं के लिए बधाई दी जो अनुसरणीय है। नाहन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वर्तमान में पूर्ण शिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध है तथा इस कॉलेज के भवन का निर्माण पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के कार्यकाल में संपन्न हुआ है। इसमें तीन हजार से अधिक विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने अमर बोर्डिंग छात्रावास में गर्ल्स पुस्तकालय का उद्घाटन किया तथा इस पुस्तकालय को विकसित करने के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के खेल मैदान निर्माण के लिए धनराशि भी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस दौरान उद्योग मंत्री ने पूर्व छात्र संघ द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया। स्थानीय विधायक अजय सोलंकी ने कहा कि इस महाविद्यालय के ऑडिटोरियम तथा बहुउद्देशीय भवन के निर्माण के लिए 18 करोड़ का प्राक्कलन तैयार किया गया है जिसके लिए शीघ्र बजट प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने खेल मैदान के रखरखाव के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा भी की। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर पूर्व विधायक अजय बहादुर, पूर्व छात्र संघ कार्यकारिणी के सदस्य, नगर परिषद के पार्षद राकेश गर्ग, वीरेंद्र पासी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस समिति नरेंद्र तोमर, पीटीए अध्यक्ष कमला चौहान, महाविद्यालय के प्रोफेसर तथा विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

उपायुक्त शिमला ने राज्यपाल से भेंट की

शिमला। उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने आज राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से भेंट की। यह जानकारी प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने आज यहां दी। उन्होंने कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी।

हॉस्टल की चौथी मंजिल से कूदा छात्र, मौत

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के कोठीपुरा में स्थित एम्स (।प्डै) बिलासपुर में एक छात्र ने छलांग लगा दी। डठठै कर रहा द्वितीय वर्ष का छात्र परीक्षित (21) निवासी इंदौर मध्य प्रदेश ने एम्स हॉस्टल की चौथी मंजिल छलांग लगा दी। युवक को घायल अवस्था में तुरंत ही इमरजेंसी में लाया गया, लेकिन उपचार के दौरान छात्र दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस प्रवक्ता मदन धीमान ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि द्वितीय वर्ष के एक छात्र ने चौथी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि युवक ने ऐसा कदम क्यों उठाया फिलहाल कोई पता नहीं चला है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पैराग्लाइडर से गिरकर महिला पर्यटक की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला की डोभी पैराग्लाइडिंग साइट में पैराग्लाइडर से महिला पर्यटक गिर कर मौत हो गई। पुलिस ने बतसा कि हादसे में हैदराबाद की 26 वर्षीय पर्यटक नव्या की मौत हो गई है, जबकि पैराग्लाइडिंग पायलट सुरक्षित है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने महिला का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने पैराग्लाइडर पायलट के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर दिया है। डीसी कुल्लू तोरूल एस रवीश ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश जारी कर दिए है। लिहाजा मजिस्ट्रेट जांच के बाद इन तमाम पहलू का खुलासा होगा। उधर, जिला पर्यटन अधिकारी सुनयना शर्मा ने बताया कि जिस साइट से पैराग्लाइडर ने उड़ान भरी है वह साइट अप्रूव्ड है और पैराग्लाइडर भी विभाग से पंजीकृत है, जो पायलट उड़ान भर रहा था। वह लाइसेंस धारक है। ऐसे में हादसा कैसे हुआ है, इसकी जांच के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल इसमें लापरवाही सामने आ रही है। पुलिस मामले की जांव कर रही है।

ईपीएफओ ने 2023-24 के लिए ब्याज दर तय की

शिमला। देश के रिटायरमेंट फंड निकाय ईपीएफओ ने शनिवार को साल 2023-24 के लिए ब्याज दर तय कर दी है। यह ब्याज दर 8.25 प्रतिशत रहेगी और यह बीते तीन वर्षों में सबसे ज्यादा है। मार्च 2023 में कर्मचारी भविष्य निधि फंड में सरकार ने 2022-23 के लिए ब्याज दर 8.15 प्रतिशत तय की थी। वहीं 2021-22 के लिए यह 8.10 प्रतिशत थी। मार्च 2022 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 2021-22 के लिए ब्याज दर को बीते चार दशकों के मुकाबले कम करते हुए 8.1 प्रतिशत कर दिया था। यह 1977-78 के बाद सबसे कम था। ईपीएफओ में फैसले लेने वाली निकाय सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ने शनिवार को हुई बैठक में कर्मचारी भविष्य निधि के लिए 2023-24 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत करने का फैसला किया है। सीबीटी ने मार्च 2021 में ईपीएफ पर ब्याज दर 8.5 प्रतिशत तक तय की थी। जनवरी में ईपीएफओ ने आधार कार्ड को जन्मतिथि के लिए स्वीकार्य दस्तावेज मानने से इनकार कर दिया था। कर्मचारी भविष्य निधि, बीस या अधिक कर्मचारियों वाले संगठनों में वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए एक अनिवार्य योगदान है। इसके तहत कर्मचारी के वेतन से मासिक आधार पर 12 प्रतिशत हिस्सा ईपीएफ खाते में डाला जाता है और उतना ही योगदान नियोक्ता द्वारा दिया जाता है। नियोक्ता के हिस्से में से 3.67 प्रतिशत हिस्सा ईपीएफ खाते में और बाकी का 8.33 प्रतिशत हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में जमा किया जाता है।

एनआर अरोमाज ने तत्काल राहत की घोषणा की

शिमला। हाल ही में बद्दी, हिमाचल प्रदेश में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए एनआर अरोमाज प्रभावित लोगों को सहायता और राहत प्रदान करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। हमारी हार्दिक संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, और हम उन लोगों के साथ हैं, जिनका अभी उपचार चल रहा है। तत्काल राहत प्रयासों के तहत कंपनी ने आज एक बयान जारी कर निम्नलिखित उपाय उपायों पर प्रकाश डालाः प्रत्येक मृतक के परिवार को रुपए 5,00,000 की अंतरिम वित्तीय सहायता मिलीद्य रुपए 25000 उन लोगों को, जो घायल हुए हैं। उनके पूरी तरह ठीक होने तक होने वाला और कोई भी चिकित्सीय सहायता का खर्च वहन किया जाएगा और रुपए 10000 उन लोगों को, जो घायल नहीं हुए हैं। कंपनी ने राहत राशि वितरित कर दी है जिसे वित्तीय सहायता वितरण के हिस्से के रूप में प्रभावित व्यक्तियों के खातों में पहले ही स्थानांतरित कर दिया गया है। जो लोग घायल हैं ऊन के लिए चिकित्सा देखभाल वर्तमान में अस्पताल में प्रदान की जा रही है, और कंपनी घायल श्रमिकों के लिए व्यापक देखभाल सुनिश्चित कर रही है। साथ ही संबंधित विभागों से आवश्यक एनओसी और पर्याप्त अग्निशमन उपाय कारखाने में पहले से ही स्थापित किए गए थे। कंपनी के प्रवक्ता ने साझा किया कि प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ सहयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मोदी ने 11 दिन की कठोर तपस्या करके देश की आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करने का प्रयास किया: सैजल

दर्पण न्यूज सर्विस

सोलन

विगत लगभग 500 वर्षों से दुनियाभर के लोग मानते थे कि प्रभु राम का मंदिर वहीं बनना चाहिए जहां उनका जन्म हुआ था। बहुत सारे आंदोलन हुए, कानूनी लडाई लडी गई, लेकिन वर्षों तक इस मामले को दबाया गया, कभी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण और कभी कानून व्यवस्था का भय दिखाकर दबाया गया। यह जानकारी भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री राजीव सैजल ने आज यहां कही। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के पक्ष में निर्णय आने के बाद कोई हार-जीत का सवाल नहीं आया और न ही किसी ने जुलूस निकाला। आज गौरव के साथ भव्य राम मंदिर बन गया है। इसके लिए मोदी जी ने 11 दिन की कठोर तपस्या करके देश की आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि 500

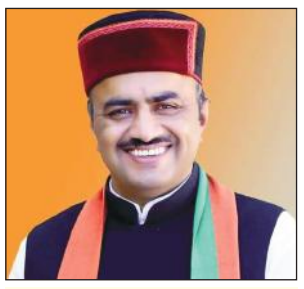

- पीएम मोदी के नेतृत्व में हम रामराज्य की कल्पना को साकार करने में लगे है

वर्षों के इस लंबे संघर्ष में कई पीढियां बीत गई। प्रभु श्रीराम का यह वनवास 500 वर्षों का हुआ। इस विस्तीर्ण संघर्ष के पश्चात आज जब रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं, तो यह हम सभी के लिए ऐतिहासिक और गौरवशाली समय है। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम इस देश की आत्मा, संस्कार व जीवन-पद्धति हैं। भगवान राम अनेक धर्म ग्रंथों में विराजमान हैं, धार्मिक दृष्टि से अनेक देशों ने भी श्रीराम को अपनाया है। भारतीय जनता पार्टी ने 1989 में पालमपुर के प्रस्ताव में यह स्पष्ट किया था, कि प्रभु श्री राम जन्मभूमि पर विराट मंदिर निर्माण का पथ हम प्रशस्त करेंगे। एक समय था, जब एक प्रधानमंत्री सोमनाथ के प्राण प्रतिष्ठा में जाना अपनी ग्लानि समझते थे।एक यह भी समय है, सारे यम नियमों का पालन करते हुए एक संन्यासी का जीवन धारण कर जब रघुनाथ की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कर-कमलों से की। मोदी जी के नेतृत्व में हम रामराज्य की कल्पना को साकार करने में लगे हैं और उसे आगे बढा रहे हैं। उन्होंने कहा की कांग्रेस पार्टी कंवल मात्र सनातन पर राजनीति करने का प्रयास करती है। अगर देश भर में देखा जाए तो कांग्रेस पार्टी ने हमेशा सनातन का विरोध ही किया है।

थर्ड बटालियन पंडोह ने मनाया 18वां स्थापना दिवस, कमांडेंट ने ली परेड़ की सलामी

दर्पण न्यूज सर्विस

शिमला/मंडी

थर्ड बटालियन पंडोह का 18वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में बटालियन के कमांडेंट भगत सिंह ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने ध्वजारोहण करने के बाद परेड़ का निरीक्षण किया और उपरांत इसके भव्य परेड़ की सलामी ली।

समारोह में हिमाचल पुलिस के डीजीपी संजय कुंडू ने बतौर मुख्यातिथि शामिल होना था, लेकिन किन्हीं कारणों से वे नहीं आ पाए। उनके द्वारा भेजे गए संदेश को कमांडेंट भगत सिंह ठाकुर ने पढ़कर सुनाया। संजय कुंडू ने अपने संदेश में बटालियन के कार्यों की प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि जिस तरह से बटालियन उन्नति के पथ पर अग्रसर है भविष्य में ये और उंचाईयों पर पहुंचेगी।

भगत सिंह ठाकुर ने अपने संबोधन में सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने बताया कि पंडोह में वर्ष 1987 से 2005 तक हिमाचल पुलिस की थर्ड सशस्त्र वाहिनी कार्यरत थी जिसे बाद में केंद्र सरकार ने 11 फरवरी 2005 को थर्ड रिजर्व बटालियन का दर्जा दिया।

मौजूदा समय में इस बटालियन में 985 पुलिसकर्मी तैनात हैं जो प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं और कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स, सीएम आवास और अन्य स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि बटालियन में आज जो भी कार्य हो रहे हैं वो सभी के प्रयासों और सहयोग से ही संभव हो पा रहे हैं। उन्होंने बटालियन को डीजीपी संजय कुंडू की तरफ से मिल रहे सहयोग के लिए विशेष रूप से आभार जताया और भविष्य में बटालियन को और ऊंचाइयों पर ले जाने का भरोसा दिलाया।

थर्ड बटालियन पंडोह में हुए कार्यों और भविष्य में किए जाने वाले कार्यों की वार्षिक रिपोर्ट डिप्टी कमांडेंट सुरेंद्र शर्मा ने पेश की। उन्होंने बटालियन को एक नए पायदान पर लाकर खड़ा करने का श्रेय मौजूदा कमांडेंट भगत सिंह ठाकुर को दिया।

उन्होंने बताया कि बटालियन में मौजूदा समय में 16 करोड़ 84 लाख के कार्य प्रगति पर हैं जबकि भविष्य में बहुत से कार्य प्रस्तावित हैं जिन्हें मंजूरी मिलने वाली है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के उत्थान और उनके सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

समारोह में एएसपी मंडी सागर चंद्र और एएसपी साइबर क्राइम मनमोहन शर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी और उनके परिवार के लोग भी मौजूद रहे। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

पर्यटन

छमाही में एक करोड़ से ज्यादा देशी-विदेशी सैलानियों ने निहारा

पर्यटन के मामले में हिमाचल प्रदेश सैलानियों की पहली पसंद बना

दर्पण न्यूज सर्विस

शिमला

हिमाचल प्रदेश सैलानियों की पसंद बना हुआ है। भारी तादाद में देशी-विदेशी सैलानी हिमाचल की वादियों का रूख कर रहे हैं। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों सैलानी हिमाचल की वादियों को निहार रहे हैं।

प्रदेश पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों के मुताबिक बीते वर्ष 2023 की पहली छमाही में एक करोड़ से अधिक पर्यटकों ने हिमाचल का दौरा किया। इनमें 99,78,504 घरेलू और 28,239 विदेशी पर्यटक शामिल रहे।

खासकर छुट्टियों के मौसम में प्रदेश में पर्यटकों की भारी आमद देखी गई। 10,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित 9.2 किलोमीटर लंबी और दुनिया की सबसे लंबी अटल सुरंग रोहतांग सहित राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की संख्या अधिक रही।

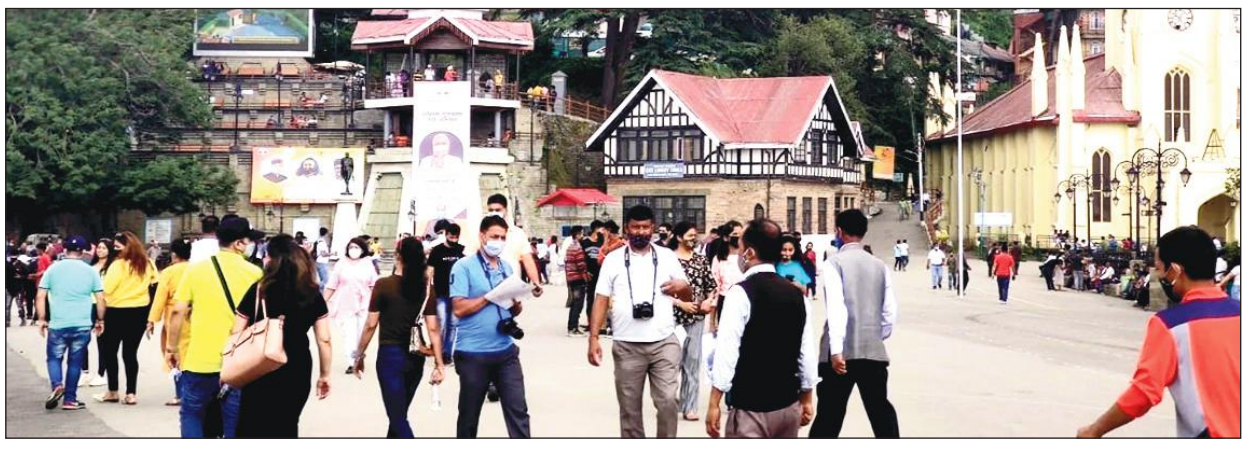

पुलिस के मुताबिक क्रिसमस की पूर्व संध्या और नए साल 2024 का जश्न मनाने के लिए 12,000 से अधिक वाहनों के साथ लगभग 65 हजार पर्यटकों ने अटल सुरंग रोहतांग का दौरा किया।

पुलिस मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पर्यटकों की सुरक्षित व परेशानी मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार ने बिलासपुर, मंडी और कुल्लू से होकर गुजरने वाले कीरतपुर-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन ट्रैफिक टूरिस्ट पुलिस स्टेशन (टीटीपीएस) स्थापित किए हैं। ये स्टेशन सैलानियों के लिए मददगार साबित हो रहे हैं।

पुलिस मुख्यालय का कहना है कि जिला बिलासपुर के बघेड़, जिला मंडी के नेरचौक और जिला कुल्लू के भुंतर में रणनीतिक रूप से स्थित ये स्टेशन यातायात प्रबंधन और क्षेत्र के सुंदर मार्गों से गुजरने वाले आगंतुकों को मदद प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक इन टीटीपीएस का प्राथमिक उद्देश्य इस राष्ट्रीय राजमार्ग का उपयोग करने वाले सभी सड़क उपयोगकताओं को एक सुरक्षित, सुचारू और संरक्षित परिवहन वातावरण प्रदान करना है। टीटीपीएस कर्मचारी पर्यटकों को सुविधा प्रदान करेंगे, पर्यटकों को सहायता प्रदान करेंगे, यातायात की भीड़ को संभालेंगे, सड़क दुर्घटनाओं के दौरान जांच करेंगे और बचाव करेंगे। साथ ही डेटा विश्लेषण के माध्यम से आवश्यक हस्तक्षेप करेंगे। वर्तमान में ये तीनों ट्रैफिक टूरिस्ट पुलिस स्टेशन क्रियाशील हैं और अपना कार्य प्रभावी ढंग से कर रहे हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार ने एक समर्पित ट्रैफिक टूरिस्ट पुलिस स्टेशन की स्थापना के लिए भी प्रस्ताव रखा है। यह पहल स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि ट्रैफिक टूरिस्ट पुलिस स्टेशन के जरिए रोड रेज और गुंडागर्दी की घटनाओं को रोकने के लिए मोबाइल गश्त भी सुनिश्चित की जाएगी। गश्त के दौरान उल्लंघन पाए जाने पर समय पर कार्रवाई के लिए संबंधित क्षेत्राधिकार वाले पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी को सूचित किया जाएगा।

बुमराह की उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए अश्विन ने कहा, 'बूमबॉल' अद्भुत थी

बुमराह ने इंग्लैंड की पहली पारी में 'रिवर्स स्विंग' से बेहतरीन प्रदर्शन किया

दर्पण न्यूज सर्विस
चेन्नई

भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने साथी जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उनकी 'बूमबॉल' ने कमाल कर दिया और इस तेज गेंदबाज का तीनों प्रारूप की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना बहुत बड़ी उपलब्धि है। बुमराह के गेंद से शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में 106 रन की जीत से श्रृंखला 1-1 से बराबर करने में सफल रही। इस तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड की पहली पारी में 'रिवर्स स्विंग' से बेहतरीन प्रदर्शन किया और 45 रन देकर छह विकेट झटके। इसके बाद दूसरी पारी में तीन विकेट से मैच में 91 रन देकर कुल नौ विकेट प्राप्त किये। इस प्रदर्शन की बदौलत बुमराह टेस्ट रैंकिंग सूची में शीर्ष पर पहुंच गये और वह यह

- जसप्रीत बुमराह ने इससे पहले वनडे और टी20 में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था

उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी बने। बुमराह ने इससे पहले वनडे और टी20 में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। अश्विन ने अपने 'यूट्यूब चैनल' पर कहा, 'सबसे शानदार प्रदर्शन 'बूमबॉल' था। जसप्रीत बुमराह ने असाधारण गेंदबाजी की।' उन्होंने कहा, 'वह 14

अश्विन ने कहा कि दूसरे टेस्ट के चौथे दिन खिलाड़ियों में जो उत्साह और ऊर्जा थी, उससे भारत को मनमुताबिक नतीजा हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'हम चौथे दिन बराबरी पर थे। लेकिन टीम के खिलाड़ियों में शानदार उत्साह, ऊर्जा और प्रदर्शन से श्रृंखला 1-1 से बराबर करने में मदद मिली।' पांच मैच की श्रृंखला हैदराबाद, विशाखापत्तनम, राजकोट, रांची और धर्मशाला में खेली जा रही है। अश्विन ने कहा कि ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों ने इन स्थानों पर टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। इस अनुभवी स्पिनर ने कहा, '2017 में हम आस्ट्रेलिया से धर्मशाला, रांची, पुणे और बेंगलुरु में खेले थे। आमतौर पर अगर 4-5 मैच की टेस्ट श्रृंखला होती है तो कम से कम एक या दो बड़े शहरों में होती है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन इस बार यह उन स्थान पर हो रही है जो विश्व कप मैच का हिस्सा नहीं थे। ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों के लिए ये स्थान नये हैं। हमारी टीम में काफी खिलाड़ी हैं जो विशाखापत्तनम में प्रथम श्रेणी या टेस्ट मैच नहीं खेले हैं।' अश्विन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह किसी अन्य देश में संभव है। लेकिन भारत में ऐसा संभव है क्योंकि यहां कई टेस्ट स्थल हैं। इसलिये खिलाड़ी घरेलू मैदान से परिचित नहीं होते। वे भले ही आईपीएल, टी20 या वनडे खेले हों लेकिन लाल गेंद से खेलने से निश्चित रूप से अंतर पड़ता है।'

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने लगातार दूसरी बार जीता एसए20 खिताब

दर्पण न्यूज सर्विस
केपटाउन

मार्को यानसेन के पांच विकेट के दम पर सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने डरबन सुपर जाइंट्स को 89 रन से हराकर लगातार दूसरी बार साउथ अफ्रीका 20 खिताब अपने नाम कर लिया। लीग के पहले सत्र में भी सनराइजर्स विजयी रहे थे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाये। जवाब में डरबन टीम कल देर रात हुए इस मैच में 17 ओवर में 115 रन पर आउट हो गई। तेज गेंदबाज यानसेन ने चार ओवर में 30 रन देकर पांच विकेट लिये। उन्होंने लीग में सर्वाधिक 20 विकेट अपने नाम किये। खचाखच भरे न्यूलैंड्स स्टेडियम पर पहले सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कप्तान एडेन मार्कराम ने 26 गेंद में तीन चौकों और दो'क्कों की मदद से 42 रन बनाये। वहीं प्लेयर आफ द मैच बने टॉम एबेल ने 34 गेंद में 55 रन का योगदान दिया जिसमें आठ चौके और दो'क्के शामिल थे। ट्रिस्टान स्टब्स ने 56 रन बनाये जिन्होंने 30 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और तीन'क्के लगाये। डरबन के लिये कप्तान और बायें हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने चार ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिये लेकिन उनके अलावा बाकी गेंदबाज विकेटों के लिये तरसते रहे। सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज जोर्डन हर्नान (26 गेंद में 42 रन) और एबेल ने दूसरे विकेट की साझेदारी में 90 रन जोड़े। बड़े लक्ष्य के जवाब में डरबन की शुरूआत ही बहुत खराब रही और उसके तीन बल्लेबाज चौथे ओवर में पवेलियन लौट चुके थे जब स्कोर बोर्ड पर सात ही रन टंगे थे। क्विंटोन डिकॉक (तीन) को तीसरे ओवर में डेनियल वॉरेल ने पवेलियन भेजा जबकि मैथ्यू ब्रीज्के 18 रन बनाकर ओट्टिनेल बार्टमैन का शिकार बने। जेजे स्मट्स को यानसेन ने आउट किया। डरबन के लिये वियान मूल्डर (38), ड्वेन प्रटोरियस (28) और जूनियर डाला (15) को छोड़कर कोई बल्लेबाज दोहरे अंक में नहीं पहुंच सका।

गुकेश तीन राउंड हारे, प्लेऑफ मे छठे स्थान पर रहे

दर्पण न्यूज सर्विस
वांगल्स (जर्मनी)

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को वीसेनहाउस फ्रीस्टाइल शतरंज चैलेंज के रैपिड प्लेऑफ में आखिरी तीन राउंड हारने के कारण छठे स्थान से संतोष करना पड़ा। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव ने रैपिड स्पर्धा में अपना दबदबा बनाया तथा 5.5 अंकों के साथ जर्मनी के विंसेंट कीमर से आधा अंक आगे रहे। गुकेश के लिए दिन अच्छा नहीं रहा और उन्हें शुरू में ही फैबियानो कारुआना से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अब्दुसत्तारोव के खिलाफ उन्होंने कुछ चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें हार मिली। कीमर ने भारतीय खिलाड़ी को केवल 22 चाल में पराजित किया। रैपिड स्पर्धा का आयोजन नॉकआउट चरण के लिए जोड़ियां तय करने के लिए किया गया था। गुकेश क्वार्टर फाइनल में कारुआना से भिड़ेंगे। नॉकआउट चरण के मुकाबले क्लासिकल प्रारूप में खेले जाएंगे। क्वार्टरफाइनल चरण में प्रत्येक जोड़ी तो बाजियां खेलेगी तथा परिणाम बराबर होने की स्थिति में विजेता का निर्णय कम समय के नियंत्रण वाली बाजी से किया जाएगा।

नागल और रामकुमार बेंगलुरु ओपन के पहले दौर में फ्रांस के प्रतिद्वंद्वियों से भिड़ेंगे

बेंगलुरु। भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल सोमवार से यहां शुरू होने वाले बेंगलुरु ओपन के पुरुष एकल मुख्य ड्रा में ज्योफ्रे ब्लांकानॉक्स से भिड़ेंगे जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले रामकुमार रामनाथन का सामना मैक्सिम जानवियर से होगा। विश्व रैंकिंग में 121वें स्थान पर काबिज नागल फ्रांस के ब्लांकानॉक्स को तीन बार हरा चुके हैं जिसमें आस्ट्रेलियाई ओपन क्वालीफायर में उन्हें पराजित करना भी शामिल है। भारत के दूसरे नंबर के खिलाड़ी रामकुमार का फ्रांस के जानवियर के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 1-1 की बराबरी का है और अगर वह पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो उनके इटली के शीर्ष वरीय लुका नार्डी से भिड़ने की उम्मीद है जिन्हें पहले दौर में क्वालीफायर से भिड़ना है।

भारत के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट से बाहर इंग्लैंड के स्पिनर लीच

दर्पण न्यूज सर्विस
लंदन

इंग्लैंड के बायें हाथ के स्पिनर जैक लीच घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैच से बाहर हो गये। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह घोषणा की। लीच के स्थान पर किसी और खिलाड़ी को अभी शामिल नहीं किया गया है। इससे संकेत मिलता है कि टॉम हार्टले, रेहान अहमद और शोएब बशीर की स्पिन तिकड़ी ही बचे हुए दौरे में जारी रहेगी। जो रूट इंग्लैंड के चौथे स्पिन विकल्प हैं। लीच को हैदराबाद में इंग्लैंड के पहले टेस्ट दौरान बायें पैर के घुटने में चोट लगी थी जिससे वह विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाये थे। ईसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'वह अगले 24 घंटे में अबुधाबी से घर के लिए

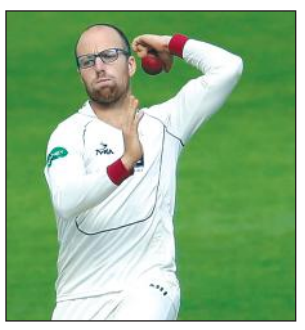

रवाना होगा, जहां इंग्लैंड की टीम 15 फरवरी से राजकोट में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले रूकी हुई है।' इसके अनुसार, 'लीच अपने 'रिहैबिलिटेशन' के लिए इंग्लैंड और समरसेट की चिकित्सा टीम के साथ काम करेंगे।' 32 वर्षीय लीच के नाम 36 टेस्ट में 126 विकेट हैं और वह निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर लेते हैं।

सुमित नागल और इटली के लुका नारदी में होगा खिताबी मुकाबला

चेन्नई। भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने चेक गणराज्य के तीसरी वरीयता प्राप्त डेलिबोर स्विरसीना को सीधे सेटों में हराकर शनिवार को यहां चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त नागल ने चेक गणराज्य के 21 वर्ष के खिलाड़ी को लगभग दो घंटे तक चले मैच में 6-3, 6-4 से हराया। फाइनल में उनका मुकाबला इटली के शीर्ष वरीयता प्राप्त लुका नारदी से होगा। बीस वर्षीय नारदी ने चीनी ताइपे के गैर वरीय खिलाड़ी चुन सीन त्सेंग को तीन घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में 6-4, 4-6, 7-6 (6) से हराया। पुरुष युगल फाइनल में साकेत माइनेनी और रामकुमार रामनाथन ने हमवतन ऋत्विक बोल्लिपल्ली और निकी पूनाचा को 3-6, 6-3, 10-5 से हराकर खिताब जीता।

अफीफ की हैट्रिक, कतर ने लगातार एशियाई कप खिताब जीता

दर्पण न्यूज सर्विस
लुसैल (कतर)

कतर ने अकरम अफीफ की पेनल्टी पर की गयी हैट्रिक की बदौलत शनिवार को यहां जोर्डन को 3-1 से हराकर लगातार एशियाई कप खिताब अपनी झोली में डाला। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और आठ गोल से शीर्ष स्कोरर अफीफ ने शनिवार को यहां लुसैल स्टेडियम में तीनों स्पॉट किक को गोल में तब्दील करने में जरा भी गलती नहीं की। पिछले साल इसी स्टेडियम में विश्व कप का फाइनल खेला गया था जिसमें लियोनल मेस्सी और किलियान एमबापे ने इसे रोमांचक बना दिया था। लेकिन शनिवार को अफीफ आकर्षण का केंद्र रहे और वह एशियाई कप फाइनल में हैट्रिक लगाने वाले पहले फुटबॉलर बने। जापान ने

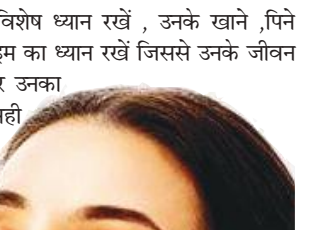

2000 और 2004 में लगातार एशियाई कप खिताब जीता था। इसके बाद से कतर लगातार खिताब जीतने वाला पहला देश बन गया। स्टेडियम में 86,000 से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। अफीफ ने 22वें मिनट में पहली पेनल्टी को गोल में बदला, जिसके बाद यजान अल नेमत ने 67वें मिनट में गोल कर जोर्डन को बराबरी पर ला दिया। अफीफ ने फिर 73वें मिनट में स्पॉट किक से और 'स्टॉपेज टाइम' (95वें मिनट) मिनट में स्पॉट किक से गोल कर अपनी टीम को जीत दिलायी।

बढ़ती उम्र में करें बालों की देखभाल

त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियां और सफेद होते बाल इसी ओर इशारा करते हैं कि आपकी उम्र बढ़ रही है। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ होने वाले इन बदलावों को कोई रोक नहीं सकता है। मगर उन्हें कम किया जा सकता है क्योंकि यह आपकी सुन्दरता और व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं। खासतौर पर महिलाएं इन बदलावों को जल्दी स्वीकार नहीं कर पाती हैं और इससे बचने के नए।नए तरीके तलाशने लग जाती हैं। बाजार में भी आपको बहुत सारे सौन्दर्य उत्पाद मिल जाएंगे जो एंटी ऐजिंग होने का दावा करते हैं। इनमें से कुछ उत्पाद बेहद प्रभावशाली भी होते हैं मगर सबसे ज्यादा जरूरी होता है कि आप अपनी डाइट को बेहतर बनाएं। यदि आप अपनी डाइट को अच्छा रखती हैं तो आपके चेहरे और बालों पर उम्र के साथ होने वाले बदलावों का प्रभाव कम नजर आएगा। महिलाएं जब मेनोपॉज के चरण पर पहुंचती हैं तो एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने पर बाल अपने आप पतले होना शुरू हो जाते हैं। वर्तमान समय में हमारे पास बहुत सारी तकनीक है जो बढ़ती उम्र में बालों की समस्या को कम कर सकती हैं। हेयर कलर और डाई , ऑर्गेनिक शैंपू, काले बालों के लिए हेयर ऑयल (;सिंथेटिक कलर के साथ) एवं हेयर सीरम जैसे उत्पाद आपके सफेद बालों की समस्या को खत्म करते हैं और बालों को घना बनाए रखने में भी मदद करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ बालों से जुड़ी समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए आप अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में छोटे।छोटे बदलाव कर सकती हैं। इसके लिए आपको नियमित रूप से आपको अपनी डाइट में ताजे फलों का सेवन करना चाहिए। जितना हो सके हरी पत्क्तेदार सब्जियां खाएं। अपने आहार में सोयाबीन और दही को भी शामिल करें। स्क्राउट्स में अमीनो एसिड होता है/ यह बालों के लिए बहुत ही अच्छा आहार है। डॉक्टर की सलाह पर आप विटामिन।बी और आयरन से भरपूर आहार भी ले सकती हैं। आंवले का जूस आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। सफेद बालों को काला करने के लिए यदि आप बालों में केमिकल ट्रीटमेंट कराती हैं तो आपको जेट ब्लैक कलर नहीं करवाना चाहिए। इससे आपके बाल नेचुरल नहीं लगते हैं इसकी जगह आप डार्क ब्राउन, ब्राउन ब्लैक कलर या फिर कोई हलके कलर का चुनाव कर सकती हैं। इसके साथ ही आपको अपने बालों की उचित देखभाल जैसे। ऑयलिंग, हेयर कंडीशनिंग आदि भी समय।समय पर करते रहना चाहिए। पार्लर में आपको हेयर स्पा, प्रोटीन ट्रीटमेंट और दूसरे कई हेयर ट्रीटमेंट मिल जाएंगे जो आपके डैमेज बालों को रिपेयर करेंगे और बालों के पतलेपन को कम करेंगे। इसके अलावा आप अपनी डाइट में भी प्रोटीन की उचित मात्रा को शामिल करके बालों की अच्छी सेहत बना सकती हैं। इसके लिए आप डाइट में दाल सोयाबीन दही आदि को शामिल करें। आपको बता दें कि आपके बाल केरोटीन से बने होते हैं जो एक प्रकार का प्रोटीन होता है। अगर बालों से प्रोटीन कम होता है तो उनका खराब होना तय होता है। मेनोपॉज के दौरान महिलाएं तनाव में रहती हैं/ इससे भी बाल खराब होते हैं और वह झड़ना शुरू हो जाते हैं। तनाव दूर करने के लिए नियमित व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। हेयर स्टाइल में बदलाव करें। बालों की समय।समय पर ट्रिमिंग बहुत ज्यादा जरूरी होती है। इसके अलावा आपके बाल यदि लंबे हैं मगर पतले हैं तो आपको उन्हें एक नया हेयर कट देना चाहिए जो आप पर सूट भी करे और आपके बालों को घना भी दिखाए।

ऐसे रखें बच्चों के मेंटल हेल्थ का ख्याल

कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रॉन आने के बाद देश में कोरोना का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इस नए वेरिएंट पर काबू पाने के लिए कई राज्यों में स्कूलों और कॉलेजों को बंद करने का फैसला लिया जा रहा है। जिससे की बच्चों को फिर से ऑनलाइन क्लासेस की तरफ लौटना होगा। कुछ दिन पहले स्कूल और कॉलेज खोले गए थे जिससे बच्चे बहुत उत्साहित थे। करीब दो साल बाद उन्हें स्कूल जाने का मौका मिला था ,लेकिन कोरोना के वजह से स्कूल और कॉलेज फिर से बंद किया जा रहा है।

ये खबर बच्चों के लिए निराशाजनक है और साथ ही उनके माता पिता के लिए भी चिंता का विषय है। क्यूंकि कोरोना के कहर से बचाने के लिए उन्हें अपने बच्चों को घरों में रखना होगा जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस कारण माता पिता की जिम्मेदारियां दोगुनी हो गई हैं। उन्हें अपने बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना होगा। हम आपको कुछ आसान टिप्स बताने जा रहे हैं जिससे कि आप भी अपने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का अच्छे से ध्यान रख सकते हैं। चलिए जानते हैं क्या है वो खास टिप्स एंड ट्रिक्स।

दोस्तों से दूर ना करें

माता पिता इस बात का विशेष ध्यान रखें की बच्चें अपने दोस्तों के संपर्क में रहें। कोरोना में सोशल डिस्टेंसिंग बेहद जरुरी है पर आप बच्चों को विडियो कालिंग या फोन के जरिए उनके दोस्तों के साथ कनेक्टेड रख सकते हैं। ऐसा करने से उन्हें अकेलापन महसूस नहीं होगा और वो अपने दोस्तों से अपने दिल की बात भी बताएंगे जो शायद वो आपसे बताने में संकोच करते हैं।

एक्टिविटी कराएं

आप बच्चों के साथ दिन भर में एक एक्टिविटी जरूर करें। जिससे की उनका माइंड डिस्ट्रैक्ट होगा और वो अच्छा महसूस करेंगे। ये एक थेरिपी की तरह भी काम कर सकता है।

सकारात्मक बातें करें

अपने व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय निकाल के उनसे सकारात्म बाते करें। उन्हें कोई मोटिवेशनल कहानी सुनाए या साथ में कोई फिल्म देखें, ऐसा करने से बच्चों में कॉन्फिडेंस आएगा और बच्चे मानसिक रूप से भी हेल्थी रहेंगे।

उन्हें ध्यान से सुने

बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें। वो जो भी बोल रहे उन्हें समझने की कोशिश करें और उनके सवालों का जवाब देने का प्रयास करें। बच्चों को प्रेरित करें कि वो अपने हॉबी पर काम करें। इससे उन्हें ज्यादा खुशी मिलेगी क्यूंकि जो चीज उन्हें पसंद होगी उसे करना उनके मेन्टल हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होगा।

उनकी प्रशंसा करें

अगर आपके बच्चे कोई काम करें तो आप उनकी सराहना करें जिससे की उनका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और उनके दिमाग पर इसका सकारत्मक प्रभाव पड़ेगा

रुटीन फॉलो कराएं

बच्चों के रुटीन का विशेष ध्यान रखें , उनके खाने ,पिने ,और जागने ,सोने के टाइम का ध्यान रखें जिससे उनके जीवन में बैलेंस बना रहेगा और उनका मानसिक स्वास्थ्य सही रहेगा।

सर्दियों में ऐसे करें अपनी त्वचा की देखभाल

सर्दियों में त्वचा का देखभाल करना बहुत मुश्किल काम होता है। सर्दियों में हवा ड्राई होती है जिससे कि आस- पास की हवा शरीर से पानी खत्म कर देती है। सर्दियों का मौसम आते ही हम अपने त्वचा को लेके चिंतित हो जाते हैं। सर्दियों में त्वचा का देखभाल करना बहुत मुश्किल काम होता है। सर्दियों में हवा ड्राई होती है जिससे कि आस- पास की हवा शरीर से पानी खत्म कर देती है। जिससे स्किन ड्राई हो जाता है ,इस वजह से स्किन काली हो जाती है और स्किन में ईचिंग भी हो जाती है। कुछ घरेलू उपाय कर के हम सर्दियों में भी ग्लोइंग स्किन पा सकते है। तो आइए जानते है इनके बारे में।

ज्यादा गर्म और ज्यादा ठंडे पानी से त्वचा को ना धोएं

सर्दियों में हम गर्म पानी का ही इस्तेमाल पसंद करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है ज्यादा गर्म पानी हमारे त्वचा के लिए नुकसान दायक होता है। ज्यादा गर्म पानी त्वचा के नेचुरल आयल को नस्ट कर देता है। इसी प्रकार ज्यादा ठंडा पानी भी त्वचा के लिए हानिकारक होता है हमें सर्दियों में हल्का गर्म पानी से त्वचा को साफ करना चाहिए।

खूब पानी पिएं

सर्दियों में अक्सर हम पानी पिने से कातराते लेकिन अगर हमें ग्लोइंग त्वचा चाहिए तो हमें सर्दियों में भी पानी को पिने में संकोच नहीं करना चाहिए, जितना हो सके हमें उतना पानी पीना चाहिए। अगर आप चाहें तो हलके गर्म पानी में निम्बू को निचोड़ कर पी सकते हैं।

सीजनल फल और सीजनल सब्जियां खाएं

सीजनल फल और सीजनल सब्जियां स्किन के लिए बहुत लाभदायक होता है। पिले और नारंगी रंग के फल से विटमिन, मिलता है जो स्किन और बालों के लिए बहुत हेल्थी होता है। इसी के साथ हमे विटामिन श्र का भी सेवन करना चाहिए जैसे की सिंगदाना ,काजू , बादाम इससे आपके स्किन का मोसराइजर बना रहेगा।

शाम को नहाएं

सुबह नहाने के वजाये आपको शाम को नहाना चाहिए स्कूल से या ऑफिस से आने के बाद इससे पुरे दिन की गंदगी निकल जाएगी। इसके बाद आयल लगा लें जिससे की तेल रात भर आपके स्किन को मुलायम रखने में मदद करेगा।

नैचुरल आयल या मोस्टराइजर क्रीम

नैचुरल आयल या मोस्टराइजर क्रीम का इस्तेमाल करें स्किन को मुलायम रखने के लिए आप नेचुरल आयल जैसे की सूरजमुखी का तेल, ऑलिव आयल, तिल का तेल या कोई मोस्टराइज़र क्रीम का इस्तेमाल कर सकतें हैं।

सात सरोकार पंचकूला के विकास और लोगों की बेहतर जीवन शैली के लिए अति आवश्यक: गुप्ता

गुप्ता ने सात सरकारों पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

- पंचकूला को आगामी दो-तीन महीने में आवारा पशु मुक्त बनाने का लक्ष्य किया गया है निर्धारितः गुप्ता
- पंचकूला में प्रदूषण को रोकने के लिए इको इंडस्ट्री को किया गया है प्रोत्साहित

दर्पण न्यूज सर्विस
पंचकूला

हरियाणा के विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि सात सरोकार पंचकूला के विकास और लोगों की बेहतर जीवन शैली के लिए अति आवश्यक है। उन्हें प्रसन्नता है कि पंचकूलावासियों के सहयोग से यह सरोकार पूरे होने जा रहे हैं। ज्ञानचंद गुप्ता पीडब्लूडी विश्रामगृह सेक्टर- 1 पंचकूला में सात सरकारों पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लगभग 2 वर्ष पूर्व उन्होंने पंचकूला को स्वच्छ, सुंदर और हरा भरा बनाने की मुहिम शुरू की थी और इसके लिए सात सरोकार दिए थे जिसमें पंचकूला को ड्रग, प्रदूषण, प्लास्टिक, स्ट्रे कैटल, स्ट्रे डॉग, अतिक्रमण और स्लम मुक्त करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इस मुहिम को सफल बनाने के लिए प्रत्येक पंचकूलावासी के साथ-साथ एनजीओ और अन्य सामाजिक-धार्मिक संगठनों ने बढ़-चढ़ कर सहयोग दिया है और इसके लिए वह सब का आभार प्रकट करते हैं।

गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को 2030 तक नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है।हरियाणा में भी मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेश को नशा मुक्त बनाने की ओर अग्रसर है। गुप्ता ने कहा पंचकूला में युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए स्कूल, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में सेमिनार और वर्कशॉप का आयोजन कर बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा हाल ही में 12 जनवरी को विवेकानंद जयंती के उपलक्ष में पंचकूला में वॉकथोन का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 5000 बच्चों ने भाग लेकर नशा मुक्त पंचकूला के संदेश को घर घर तक पहुंचाया। युवाओं को सबसे बेहतर संदेश वाहक बताते हुए गुप्ता ने कहा कि युवा शक्ति नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने का एक सशक्त माध्यम है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पंचकूला को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ जुमार्ने का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि आज पंचकूला में कोई भी ऐसी फैक्ट्री नहीं है जिसके द्वारा प्लास्टिक का निर्माण किया जा रहा हो। उन्होंने कहा कि पंचकूला को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए वन विभाग द्वारा घघर नदी के समीप 100 एकड़ में ऑक्सीवन स्थापित किया जा रहा है। इस ऑक्सीवन के बनने के बाद पंचकूला में वायु प्रदूषण में काफी कमी आएगी और लोगों को प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन भी मिलेगी। इसके अलावा लोगों को अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को रोकने के लिए पंचकूला में जहां इको इंडस्ट्री को प्रोत्साहित किया गया है वहीं बड़ी इंडस्ट्रीज को अनुमति प्रदान नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि पंचकूला को स्ट्रे डॉग फ्री बनाने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने पंचकूला को आवारा पशु मुक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि पंचकूला को आगामी दो-तीन महीने में आवारा पशु मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गुप्ता ने कहा कि पंचकूला में पांच नई गौशालाएं स्थापित की गई है जहां 20,000 गायों का पालन पोषण किया जा रहा है। इसके अलावा घग्गर नदी के पास गोवन की स्थापना की गई है जहां लगभग 2500 गायों की देखभाल की जा रही है। इस गोवन में बीमार और दुर्घटना में चोटिल हुई गायों के इलाज का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार गोवंश की रक्षा के प्रति संवेदनशील है और यह इस बात से प्रतीत होता है कि गौ सेवा आयोग के बजट को बढ़ाकर 400 करोड रुपए कर दिया गया है।

गुप्ता ने कहा कि पंचकूला को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए हरियाणा शहर विकास प्राधिकरण और नगर निगम द्वारा समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। रेहड़ी-फड़ी और छोटे दुकानदार एक निर्धारित स्थान पर सम्मान पूर्वक अपनी आजीविका कमा सकें इसके लिए लगभग प्रत्येक सेक्टर में वेंडिंग जोन स्थापित किए गए हैं। इन वेंडिंग जोन में लगभग 800 लोगों को स्थान आबंटित किए गए हैं। स्थान का आबंटन ड्रॉ ऑफ लॉट्स के माध्यम से किया जाता है। उन्होंने कहा कि सेक्टरों में सरकारी जमीन पर अवैध झुग्गियों को पनपने से रोकने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

गुप्ता ने कहा कि पंचकूला स्लम मुक्त बने इसके लिए राजीव कॉलोनी, इंदिरा कॉलोनी और खड़क मंगोली में रहने वाले लोगों के लिए पुनर्वास की योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल शीघ्र ही इस योजना की घोषणा करेंगे। गुप्ता ने कहा कि इस योजना के तहत सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है जिसके अनुसार 6500 लोगों की एक-एक मरला के प्लाट दिए जाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लगभग साढे नौ वर्षों में पंचकूला में 5500 करोड़ रुपये के विकास कार्य हो चुके हैं। प्रमुख परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए गुप्ता ने बताया कि एनएच - 73 पिछले सरकार के कार्यकाल में 10 वर्षों तक लंबित रहा परंतु वर्तमान सरकार के आते ही वर्ष 2015 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ और डेढ़ साल के अंदर 1100 करोड रुपए की लागत से यह बनकर तैयार हुआ। उन्होंने कहा कि इस राजमार्ग के बनने से पंचकूला की तकदीर और तस्वीर दोनो बदली है। इसके अलावा पंचकूला के सेक्टर - 23 में एनआईएफटी का निर्माण किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के संस्थान के स्थापित होने से पंचकूला का नाम देश के मानचित्र पर उभरा है।इसी तरह माता मनसा देवी परिसर में 500 करोड रुपए की लागत से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है।यहाँ ओपीडी चल रही है।जयपुर के बाद यह देश का दूसरा आयुर्वेद संस्थान है।

ज्ञानचंद गुप्ता ने वैदिक ज्ञानमंच द्वारा संचालित वैद्विक चैरिटेबल लैब का किया विधिवत उदघाटन

गुप्ता ने वैदिक ज्ञानमंच के संचालकों को दी बधाई व शुभकामनाएं

पंचकूला। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने आज वैदिक ज्ञानमंच द्वारा संचालित वैद्विक चैरिटेबल लैब का रिबन काटकर उदघाटन किया। गुप्ता ने कहा कि इस लैब के संचालित होने से जिला के लोगों को वाजिब रेट पर टेस्ट करवाने का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर नगर निगम के महापौर कुलभूषण गोयल, बीजेपी जिला प्रधान दीपक शर्मा भी उपस्थित थे। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने सर्वप्रथम लैब के संचालकों को बधाई व शुभकामना दी। इसके उपरांत उन्होनें लैब का दौरा कर उपलब्ध मशीनों के बारे में विस्तार से जानकारी लीं। उन्होने बताया कि वैद्विक चैरिटेबल लैब का उदेश्य गरीब व जरूरतमंद लोगों का वाजिब रेट पर विभिन्न प्रकार के टेस्ट उपलब्ध करवाना है ताकि टेस्ट के द्वारा समय पर उन्हें बीमारी का पता लग सके और उनका ईलाज हो सके। उन्होने बताया कि वैद्विक चैरिटेबल लैब जिले के चारों खंडों के ग्रामीण आंचल में जाकर वंहा के लोगों के सैंपल इक्कठे कर सस्तें रेटो पर विभिन्न प्रकार के टेस्ट उपलब्ध करवाएगी। गुप्ता ने बताया कि यह लैब नो प्रोफिट नो लोस पर जिला के लोगो के टेस्ट करवाएगी। उन्होने बताया कि वैद्विक चैरिटेबल लैब जिला के लोगों को वैद्विक ज्ञान के बारें में भी शिविर लगाकर लोगों को विस्तार से जानकारी देगी। इस लैब की प्रतिदिन की क्षमता 1500 से भी ज्यादा टेस्ट करने की है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष युवराज कौशिक, पार्षद हरेंद्र मलिक, वैद्विक ज्ञानमंच के प्रधान वेदपाल जिंदल, उप प्रधान उमेश मित्तल, धर्मपाल जिंदल, सचिव शांत शर्मा, खंजांची अतुल गर्ग, पीयूष जैन, मनदीप अत्री, सतीश अग्रवाल, सचिन गोयल तथा अन्य ट्रस्टी भी मौजूद थे।

'आप' ने नगर निगम के सामने किरण खेर का पुतला फूंका

- चंडीगढ़ वासियों के घर-घर जाकर दिखाया जाएगा भाजपा का असली चेहराः डॉ. आहलूवालिया

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से रविवार को सेक्टर 17 में नगर निगम कार्यालय के सामने भाजपा की लोकसभा सदस्य किरण खेर का पुतला फूंका और मांग की गई कि मेयर चुनाव में लोकतंत्र की हत्या करने वाले भाजपा के मनोनीत पार्षद और पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह, लोकसभा सदस्य किरण खेर और सभी भाजपा पार्षदों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए।इस अवसर पर पंजाब जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड के चेयरमैन एवं सह-प्रभारी आप चंडीगढ़ डॉ. एसएस आहलूवालिया, आप नेता प्रेम गर्ग, विजय पाल, मीना शर्मा, आभा बंसल, नरेश गर्ग, सुखराज संधू, गुरमेल सिंह सिद्धू, पीपी घई, पार्षद प्रेम लता, सुमन शर्मा, जसवीर सिंह लाडी, नेहा मुसावत, मनोवर, कुलदीप कुमार और जसविंदर कौर के अलावा बड़ी संख्या में आप वॉलन्टियरों ने बीजेपी के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. एसएस आहलूवालिया ने कहा कि भाजपा द्वारा चंडीगढ़ नगर निगम के लिए मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के 30 जनवरी को चुनाव के दिन अनिल मशीह, किरण खेर और उनके पार्षदों ने जो लोकतंत्र की हत्या की गई है।उसके दोषियों को सजा दिलाने के लिए पिछले 8 दिनों से आम आदमी पार्टी की और से नगर निगम के सामने भूख हड़ताल की गई है। रविवार को प्रशासन की आंखें खोलने के लिए लोकसभा सदस्य किरण खेर का पुतला फूंका गया है ताकि प्रशासन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई कर सके। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी द्वारा आप के मेयर पद के उम्मीदवार कुलदीप कुमार के पेन चला कर रद्द की गई 8 वोटों का न सिर्फ चंडीगढ़ बल्कि पूरे देश के लोगों में काफी रोष है। उन्होंने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियों का भी धोखेबाज भाजपा और प्रशासनिक अधिकारियों पर कोई असर नहीं हुआ है, जिसके कारण अभी तक किसी भी आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अब आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के हर वार्ड में जाकर लोगों को बीजेपी का असली चेहरा दिखाएगी।

किसान आंदोलन को लेकर चंडीगढ़ पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

चंडीगढ़। 13 फरवरी को हरियाणा, पंजाब और दिल्ली सीमा के जिलों में कुछ संगठनों द्वारा किसान मार्च और आंदोलन के आह्वान के मद्देनजर चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने कहा कि चंडीगढ़ की सीमाओं पर यातायात की मुक्त आवाजाही में व्यवधान हो सकता है। चंडीगढ़ की सीमाओं पर 12 से 13 फरवरी को यातायात की मुक्त आवाजाही पर कुछ प्रतिबंध रहेंगे। पड़ोसी राज्यों ने भी यातायात संबंधी सलाह जारी की है और आम जनता यात्रा योजनाओं के लिए इसका संदर्भ ले सकती है। सड़क उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपनी सुविधा के लिए जारी किए गए रूट/डायवर्जन प्लान, यदि कोई हो, का पालन करें। इसके अतिरिक्त, पर्याप्त कानून एवं व्यवस्था की व्यवस्था भी की गई है। डीएम चंडीगढ़ के आदेश के अनुसार धारा 144 सीआरपीसी लगाई गई है। यह शहर में 60 दिनों की अवधि के लिए लगाया गया है। इससे 5 या अधिक लोगों के एकत्र होने, जुलूस, प्रदर्शन, पैदल या ट्रैक्टर ट्रॉली और अन्य वाहनों के साथ मार्च पास्ट करने और उपरोक्त उद्देश्य के लिए कोई लाठी, रॉड या हथियार ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

एचसीएस व अलाईड सर्विस की प्रिलीमनरी परीक्षा संपन्न

पंचकूला। उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि रविवार को एचसीएस व अलाईड सर्विस की प्रिलीमनरी परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाई गई। उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि एचसीएस व अलाईड सर्विस की प्रिलीमनरी परीक्षा हरियाणा सरकार की अहम परीक्षाओं में से एक है। इस परीक्षा के सफल आयोजन के लिए 42 सैंटर बनाए गए थे। उपायुक्त ने बताया कि एचसीएस की परीक्षा सुबह और शाम दो चरणों में हुई। परीक्षा में सुबह 10 से 12 बजे तक 5826 परीक्षार्थियों ने तथा सायं 3 से 5 बजे तक एचसीएस की परीक्षा में 5777 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि एचपीएससी द्वारा निर्धारित रूल-रेगुलेशन की सख्ती से पालना की गई।

राजकीय महाविद्यालय कालका में अंतरिक्ष सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

पंचकूला। राजकीय महाविद्यालय कालका की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ मीनू ख्यालिया के कुशल नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पांच विषय पर विद्यार्थियों ने ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। श्री राम प्राण प्रतिष्ठा पूजन करते हुए, मां सीता द्वारा पौधे सींचते हुए, श्री राम धनुष तोड़ते हुए, श्री राम लक्ष्मण और मां सीता द्वारा वन का भ्रमण करते हुए, श्री हनुमान जी और अन्य वानर सेना द्वारा राम सेतु पुल बनाते हुए। महाविद्यालय में राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत वेशभूषा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने चार विषयों पर वेशभूषा कार्यक्रम में भाग लिया। श्री राम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम, मां सीता द्वारा वाटिका का वृक्षारोपण करते हुए, हनुमान जी द्वारा संजीवनी पर्वत लाते हुए, श्री राम अपने शत्रु के श्रेष्ठ गुणों का सम्मान करते हुए दिखाई दिए। प्रस्तुत कार्यक्रम सेलिब्रेशन ऑफ डेज कमेटी की प्रभारी प्रोफेसर डॉक्टर इंदु, प्रोफेसर डॉक्टर बिंदु, प्रोफेसर डॉ नवनीत नैंसी, डॉक्टर सोनाली, प्रोफेसर नीतू चैधरी, असिस्टेंट प्रोफेसर सविता के मार्गदर्शन और दिशा निर्देशन में किया गया।

वर्मा को सीएचबी चेयरमैन की जिम्मेदारी सौंपी

चंडीगढ़। यूटी के प्रशासक और पंजाब के राज्यपाल बीएल पुरोहित के नव नियुक्त सलाहकार राजीव वर्मा को चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभी तक इस पद की जिम्मेदारी गृह सचिव और कार्यवाहक प्रशासक के सलाहाकर नीतिन यादव संभाल रहे थे। यूटी प्रशासन की तरफ से इस संबंधी आदेश जारी कर दिए गए हैं। राजीव वर्मा ने गत सप्ताह ही चंडीगढ़ प्रशासक के नए सलाहकार के रूप में अपना कार्यभार संभाला है। वर्मा एजीएमयूटी कैडर के 1992 बैच के कक्षर हैं। डॉ. धर्मपाल के रिटायर होने के बाद गृह सचिव नितिन कुमार यादव को इस पद का अतिरिक्त चार्ज दिया गया था।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने की संगठनात्मक नियुक्तियां

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जावेद अंसारी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र मल्होत्रा की सहमति से अनवर अहमद, एम. डी. यूनुस, शमशाद अहमद, नाज राणा, गुरदेव सिंह, इसियाक नायर को उपाध्यक्ष, इस्तेखार अहमद को महासचिव, सदाकत अली, सलमान सलमानी, ग्लैडविम हार्डी, नौशाद खान, यूसुफ, सलीम, को सचिव, शादाब राजपूत को कार्यालय सचिव, लईक को सोशल मीडिया संयोजक, चांद मिया, चांद मिया को प्रवक्ता, रईस अहमद, गुफराम को कोषाध्यक्ष और अमजद चौधरी, हाजी खुर्शीद अली, बशीर खान, नौशाद, अयूब खान को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाया है। जतिंदर पाल मल्होत्रा ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी है तथा आशा व्यक्त की है इन नव नियुक्त पदाधिकारी पार्टी में अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएंगे तथा पार्टी को मजबूती मिलेगी। अल्पसंख्यक मोर्चा का काम अच्छे ढंग से चलेगा। आने वाले लोकभा चुनावो में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने में सहयोगी होंगे।

ट्रैफिक वायलेशन के चलते आरोपी का ड्राइविंग लाइसेंस कोर्ट ने किया रद्द

चंडीगढ़। गुरिंदर सिंह सैनी निवासी मनीमाजरा बिना हेलमेट, गलत साइड ड्राइविंग और खतरनाक ड्राइविंग के उल्लंघन के लिए ट्रैफिक चालान का भुगतान करने के लिए, डॉ. अमन इंदर सिंह, चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हुआ। आरोपी ने कोर्ट के समक्ष अपना अपराध स्वीकार किया और 8 फरवरी को चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस द्वारा उन्हें जारी किए गए चालान के लिए 2000 रुपए के जुमार्ने के लिए दोषी ठहराया गया। हालांकि 2000 रुपए का जुमार्ना भरने के बजाय, उल्लंघनकर्ता ने भारी जुमार्ने के लिए बहस शुरू कर दी और अदालत के कर्मचारियों के साथ अपमानजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इस प्रकार सीजेएम ने नायब अदालतों को उल्लंघनकर्ता से वाहन और उसकी चाबी को अपने कब्जे में लेने का निर्देश दिया। हालांकि, आदेशों का पालन करने के बजाय आरोपी ने कोर्ट ने समान सौंपने से इनकार कर दिया। यही नहीं आरोपी ने नायब अदालत को धक्का दिया और अदालत के आदेश का पालन किए बिना भाग गया। उसके वाहन के रिकॉर्ड को देखने के बाद, यह पाया गया कि उसने 332 यातायात उल्लंघनों के लिए 151 यातायात चालान लंबित हैं। तदनुसार उल्लंघनकर्ता के चालान रिकॉर्ड को गंभीरता से लेने के बाद, सीजेएम कोर्ट ने उल्लंघनकर्ता गुरिंदर सिंह सैनी का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कर दिया और उसे 6 महीने के लिए किसी भी श्रेणी के वाहन चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस रखने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। साथ ही उल्लंघनकर्ता को 10 दिनों के लिए साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी और उल्लंघनकर्ता को गिरफ्तार करने के लिए गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। इस संबंध में अईपीसी की धारा 186, 332, 353, 506 के तहत पुलिस थाना-36 में केस दर्ज किया गया है।

पीयू में अब सीनेट बैठक की होगी लाइव वेबकास्टिंग, आएगी पारदर्शिता

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी में अब सीनेट बैठक में पारदर्शिता लाने के लिए लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी। इसलिए वेबकास्टिंग को सरल बनाने के लिए इसका प्रसारण फेसबुक के पेज पर किया जाएगा। जिससे इसमें अतिरिक्त खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। यह प्रस्ताव बीती शनिवार को हुई सीनेट की बैठक में पास कर दिया गया। इस मामले में सीनेटर सत्यपाल जैन ने कहा कि बैठक की लाइव वेबकास्टिंग करने से सभी सीनेट सदस्यों को अपनी जिम्मेदारियों का अहसास होगा। वेबकास्टिंग होने की वजह से सभी सदस्यों को पता होगा कि मीटिंग में क्या चल रहा है। 19 फरवरी 2023 की सीनेट में कार्यकारिणी की बैठक को वेबकास्ट करने पर उठाए मुद्दे को अब इस साल 10 फरवरी की सीनेट बैठक में रखा गया था। इसके बाद सीनेट के शून्य काल में रखे मुद्दे को सिंडिकेट में: अनुमति मिलने के एजेंडा में शामिल किया गया। पीयू प्रशासन की ओर से जारी किए सीनेट के एजेंडा में चर्चा के लिए 25 मुद्दे, संस्तुति के लिए आठ और जानकारी के लिए 86 मुद्दे शामिल हैं।

मल्होत्रा की अध्यक्षता में भाजपा की पहली प्रदेश कार्यकारिणी संपन्न

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा की अध्यक्षता में भाजपा चंडीगढ़ की प्रदेश कार्यकारिणी प्रदेश कार्यालय कमलम में आयोजित हुई। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष एवम मीडिया प्रभारी कैलाश चंद जैन ने बताया कि बैठक में प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा के साथ महामंत्री अमित जिंदल, डा. हुकम चंद , पूर्व सांसद सत्यपाल जैन, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष संजय टंडन ,कमला शर्मा, धर्मपाल गुप्ता के अलावा सभी प्रदेश पदाधिकारी, सभी जिलाध्यक्ष महामंत्री,सभी मोर्चा अध्यक्ष महामंत्री, सभी मंडल अध्यक्ष, सभी प्रकोष्ठ/ विभागों के संयोजक ,पार्षद तथा सभी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर मल्होत्रा ने पिछली प्रदेश कार्यकारिणी के बाद चंडीगढ़ भाजपा द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताया तथा पार्टी द्वारा भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।उन्होंने कार्यकताओं से चुनावी तैयारी के लिए कमर कस लेने का आह्वान किया ताकि 2024 का लोकसभा चुनाव रिकॉर्ड मार्जिन से जीत सके। मल्होत्रा ने प्रधानमंत्री मोदी के देश के लिए समर्पण, देश सेवा और राष्ट्र सेवा तथा उनकी राजनीतिक प्रतिबद्धता के बारे में भी जिक्र किया, उन्होंने कहा कि मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए मोदी को फॉलो करना पड़ेगा, तथा हर एक कार्यकर्ता को व्यक्तिगत अनुशासन अपनाना होगा। प्रदेश सचिव रमेश सहोर ने पिछली कार्यकारिणी के बाद दिवंगत हुए कार्यकर्ताओ अथवा उनके रिश्तेदारों की आत्मा की शांति के लिए प्रस्ताव प्रस्ताव पेश किया। तथा उपस्थित सभी सदस्यों ने 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। शहर के पूर्व सांसद हरमोहन धवन के निधन पर भी शोक व्यक्त किया गया।

अदालतों में फर्जी जमानत देने वाले दो काबू

चंडीगढ़। ट्राइसिटी में बढ़ती फर्जी जमानतदारों पर काम करते हुए एसएसपी चंडीगढ़ कंवरदीप कौर और एसपी सिटी मृदुल ने के निर्देश पर इंस्पेक्टर ओम प्रकाश एसएचओ पुलिस थाना-36 और चरणजीत सिंह विर्क एसडीपीओ/दक्षिण पश्चिम की कड़ी निगरानी में टीम का गठन किया था। टीम ने 16 दिसंबर 2023 को आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 120बी के तहत दर्ज केस में दो फर्जी जमानत देने वालों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान 47 वर्षीय परमजीत कौर निवासी शीतल नगर बहलोलपुर मोहाली और 44 वर्षीय निर्मल रानी निवासी मोहाली के रूप में हुई। चंडीगढ़ पुलिस ने जिला न्यायालय सेक्टर 43 में पनप रहे फर्जी जमानत के व्यापार को रोकने के लिए उपाय शुरू किए हैं। यह जानने के बाद कि यह रैकेट अब चंडीगढ़, अंबाल और मोहाली कोर्ट तक फैल गया है, उन्होंने इस मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई की। किसी अभियुक्त द्वारा अदालत द्वारा जमानत पर रिहा किए जाने पर दी गई जमानत। मानतदार एक करीबी रिश्तेदार होता है जो गारंटर के रूप में खड़ा होता है। हालांकि, नकली जमानत कुछ लोगों के लिए आय का स्रोत बन गई है।

पीयू का 13वां रोज फेस्टिवल संपन्न

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

पंजाब यूनिवर्सिटी में चल रहे तीन दिवसीय 13वें रोज फेस्टीवल का रविवार को शानदार समापन हो गया।अंतिम दिन रोज फेस्ट में रोज प्रिंस-प्रिंसेस और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। पेटिंग और मेहंदी प्रतियोगिता में भी स्कूल, कालेज और यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। छुट्टी के कारण दिन भर पीयू कैंपस चहल पहल रही। बच्चों ने झूलों का लुत्फ उठाया तो युवाओं ने सेल्फी प्रतियोगिता में ईनाम जीते।शाम के दौरान ओल्ड कन्वोकेशन ग्राउंड में पंजाबी गायक रजा हीर और हिमाचली नाटी की प्रस्तुति ने लोगों को अपने साथ झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान पंजाब यूनिवर्सिटी की यूनिवर्सिटी इंस्ट्रक्शन की डीन प्रो. रुमिना सेठी ने रोज प्रिंस और रोज प्रिंसेस प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ताज पहनाया। रोज प्रिंस प्रतियोगिता में युगव कपूर को 0 से 1 वर्ष आयु वर्ग में रोज प्रिंस का ताज पहनाया गया, इवान शर्मा को 1 से 2 वर्ष आयु वर्ग में रोज प्रिंस का ताज पहनाया गया और मेहरांश बावा को 2 से 3 वर्ष आयु वर्ग में रोज प्रिंस का ताज पहनाया गया। रोज प्रिंसेस प्रतियोगिता में अनायरा सोनी को 0 से 1 वर्ष आयु वर्ग में रोज प्रिंसेस का ताज पहनाया गया, अनाया शारदा को 1 से 2 वर्ष आयु वर्ग में रोज प्रिंसेस का ताज पहनाया गया तथा सरगुन शर्मा को 2 से 3 वर्ष आयु वर्ग में रोज प्रिंसेस का ताज पहनाया गया।

कार्यक्रम

एसडी कॉलेज में जूलॉजी विभाग ने किया चौथे काउंसलिंग एंड मेंटरिंग इंटरैक्टिव सेशन का आयोजन

शिवालिक फुटहिल्स से फॉसिल्स एकत्र करने का अनुभव डॉ. भारद्वाज ने छात्रों के साथ किया साझा

- जीवाश्म विज्ञान और पैलियनटोलॉजी व एंथ्रोपॉलोजी में विभिन्न करियर पर प्रकाश डाला

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जूलॉजी विभाग की ओर से 'चौथा काउंसलिंग एंड मेंटरिंग इंटरैक्टिव सेशन' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में सलाह देना था। कॉलेज के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. विप्नेश भारद्वाज कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि थे। उन्होंने अपने फॉसिल्स का संग्रह उपहार में दिया जो उन्होंने शिवालिक फुटहिल्स से एकत्र किया था।फॉसिल्स को जूलॉजी म्यूजियम में रखा जाएगा और यह अंडर ग्रेजुएट छात्रों के लिए अद्भुत अध्ययन सामग्री के रूप में काम करेगा क्योंकि उनके पाठ्यक्रम में यह विषय है।उन्होंने छात्रों को अपनी यात्रा, कठिनाइयों और फॉसिल्स को इकट्ठा करने के दौरान के अनुभव साझा किए। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया और जीवाश्म विज्ञान और पैलियनटोलॉजी व एंथ्रोपॉलोजी में विभिन्न करियर पर प्रकाश डाला।

काउंसलिंग एंड मेंटरिंग इंटरैक्टिव सेशन के लिए मेंटर्स के तौर पर डॉ. नैन्सी गर्ग (असिसटेंट प्रोफेसर, गवर्नमेंट पीजी डब्ल्यूसी), डॉ. आयुषी कुंडू (एसआरएफ, टीआईईटी पटियाला), आरुषि जसवाल (इंस्पेक्टर सहकारी समितियां, पंजाब सरकार), नवप्रीत कौर (क्वालिटी इंसपेक्टर, एफसीआई), और अमित सिहमार (निदेशक, सिहमार क्लासेज) शामिल थे। यह सभी जीजीडीएसडी कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने अपने व्यापक अनुभव साझा किए, छात्रों को प्रेरित किया और स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद विविध करियर विकल्पों के बारे में उनका मार्गदर्शन किया। वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान जूलॉजी विभाग द्वारा आयोजित क्विज, फोटोग्राफी और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। मेंटर्स द्वारा दिए गए सुझावों और अंतर्दृष्टि का छात्रों द्वारा अपने करियर के चयन में अच्छा उपयोग किया जाएगा। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और भविष्य में छात्रों के लिए ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

करियर काउंसलिंग वीक का हुआ समापन

कॉलेज के कैरियर काउंसलिंग सैल की ओर से साइकोलॉजी विभाग के सहयोग से करियर काउंसलिंग वीक का आयोजन किया गया। शनिवार को इस काउंसलिंग वीक के समापन पर रिपोर्ट प्रसार और करियर टॉक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता मनिंदर ऋषि थीं। उन्होंने इंटरापर्सोनल इंटेलिजेंस के महत्व और यह हमारे करियर विकल्पों को कैसे प्रभावित करता है, के बारे में जानकारी दी। बाद में उन्होंने युवाओं को उनके करियर के बारे में जानकारीपूर्ण निर्णय लेने के लिए 5 स्टेप का दृष्टिकोण प्रदान किया। उन्होंने उन कदमों के बारे में बात की जिनके माध्यम से कोई करियर के संबंध में सूचित निर्णय ले सकता है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वक्ता के साथ-साथ कार्यक्रम की संयोजक डॉ. तरूणदीप कौर के प्रयासों की सराहना की। इस कार्यक्रम में विभिन्न कोर्सों के 100 से अधिक छात्रों की उपस्थिति देखी गई।